mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-320 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
21 नवंबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

बीसीसीआई ने ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

एग्जिट पोल

महाराष्ट्र के 10 में से 6 एग्जिट पोल में महायुति की सरकार

- झारखंड में 5 पोल ने भाजपा सरकार का जताया है अनुमान

मुंबई/ रांची/ दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की 288 और झारखंड में दूसरे फेज की 38 विधानसभा सीटों पर बुधवार को वोटिंग खत्म हो गई। झारखंड में 13 नवंबर को पहले फेज में 42 सीटों पर वोटिंग हुई थी। राज्य में 81 सीटें हैं। दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 10 एग्जिट पोल आए हैं। इनमें से 6 में भाजपा गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है, जबकि 3 में कांग्रेस गठबंधन की सरकार का अनुमान है। एक में किसी को बहुमत नहीं मिलता दिख रहा है। झारखंड के लिए अब तक 7 एग्जिट पोल आए हैं। 5 में भाजपा गठबंधन को तो 2 में कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिलने के आसार जताए गए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल चुनावी सर्वे हैं।

भारत ने महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप का फाइनल जीता

तीसरी बार ट्रॉफी जीती

नालंदा (एजेंसी)। बिहार के राजगीर में हुए महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी पर भारत ने कब्जा जमा लिया है। टीम इंडिया ने चीन को 1-0 से हरा दिया है। तीसरे क्वार्टर के पहले यानी मैच के 31वें मिनट में दीपिका ने टीम इंडिया के लिए पहला गोल किया, जिसने भारत को जीत दिलाई। पहले और दूसरे क्वार्टर के कुल 30 मिनट के खेल में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। भारत और चीन की टीमें 0-0 की बराबरी पर रही। दूसरे क्वार्टर में भारत को 4, चीन को 2 पेनाल्टी कॉर्नर मिले। हालांकि कोई भी टीम इन्हें गोल में तबदील नहीं कर सकी। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में शाम 5 बजे भारत और चीन की महिला हॉकी टीमों के बीच फाइनल मुकाबला शुरू हुआ था। 3 हजार की कैपिसिटी वाला स्टेडियम दर्शकों से पूरा भरा रहा। स्टेडियम में तिरंगा लहराया गया। जय श्रीराम के नारे भी लगे।

एलएसी विवाद पर 5 साल बाद होगी 'विशेष' बैठक

भारत और चीन के बीच बन गई सहमति

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में दो दिन तक चली त्न20 समिट का समापन हो गया है। इस दौरान भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई। इसमें दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर 5 साल बाद विशेष प्रतिनिधियों की बैठक बुलाने पर सहमति बनी। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चाइनीज फॉरेन मिनिस्टर वांग यी ने दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान और कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू करने पर भी चर्चा की। कोविड महामारी के बाद से ही इन दोनों पर रोक लगा दी गई थी।

महाराष्ट्र-झारखंड में वोटिंग खत्म, अब फैसले का इंतजार

महाराष्ट्र में सुस्त रही वोटिंग की रफ्तार, झारखंड में उमड़े मतदाता

बीड में निर्दलीय प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत, कई जगह टकराव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 विधानसभा सीटों वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान का समय सुबह 7 से शाम 6 बजे तक का था। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। राज्य में लगभग 65 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े। गढ़चिरौली में सबसे ज्यादा 69.63 फीसदी और मुंबई सिटी में सबसे कम 49.07 फीसदी वोट डाले गए। कांग्रेस नेता श्रीनिवास ने शिरडी में फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि धुले की रहने वाली लड़की ने शिरडी में मतदान किया है। वहीं, धुले के एक पोलिंग बूथ पर भाजपा और वंचित बहुजन अघाड़ी के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हुई। उधर, कैश कांड पर भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि यह एक साजिश है।

5 राज्यों की 15 विधानसभा सीटों पर मिलीजुली वोटिं

4 राज्यों की 15 विधानसभा और नांदेड़ लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव की वोटिंग खत्म हो गई। 23 नवंबर को रिजल्ट आएगा। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर सीट पर उपचुनाव की वोटिंग के दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस को जान बचाकर भागना पड़ा। बाद में ककरौली थाने के इंस्पेक्टर राजीव शर्मा ने भीड़ को खदेड़ने के लिए वहां मौजूद महिलाओं पर रिवॉल्वर तान दी और कहा- यहां से चली जाओ, नहीं तो गोली मार दूंगा।

झारखंड में जेएमएम विधायक और भाजपा समर्थकों में धक्का-मुक्की

झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में बुधवार को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग शाम पांच बजे खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक 67.59 फीसदी वोटिंग हुई है। हालांकि, फाइनल आंकड़ा आना अभी बाकी है। वहीं, शाम साढ़े चार बजे गिरिडीह के होली स्कूल के बूथ पर जेएमएम और भाजपा समर्थक आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि कुछ लोग बोगस वोटिंग कर रहे थे, इसका भाजपा समर्थकों ने विरोध किया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे जेएमएम विधायक सुदिव्य कुमार सोनू से भी धक्का-मुक्की हुई। इससे पहले दोपहर में भाजपा ने गांडेय विधानसभा के कुंडलवादाह के बूथ नंबर 282 और 338 के पोलिंग एजेंटों पर जेएमएम के पक्ष में मतदान कराने का आरोप लगाया है। जानकारी मिलने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लिया है। भाजपा ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया है। गांडेय सीट से सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मैदान में हैं। इस फेज की 38 सीटों में भाजपा 32 और आजसू 6 सीटों पर चुनाव लड़ी। वहीं, इंडिया ब्लॉक में झामुमो 20, कांग्रेस 12, राजद 2 और माले 4 सीटों पर लड़ा।

यूक्रेन के बहाने अमेरिका को डराने में लगे पुतिन

रूस की नई परमाणु नीति से सहमी दुनिया

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने देश के परमाणु नीति के एक अपडेट डॉक्यूमेंट को मंजूरी दे दी है। यह डॉक्यूमेंट उन परिस्थितियों को रेखांकित करता है जिनके तहत मॉस्को परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। यह रूस की नीति में एक बड़े बदलाव को दिखाता है।

इन बदलावों ने वैश्विक सुरक्षा को लेकर नए सिरे से चिंताएं पैदा कर दी हैं, खास तौर से तब जब यूक्रेन का युद्ध बढ़ता जा रहा है। डॉक्यूमेंट में घोषणा की गई है कि किसी भी परमाणु ताकत की ओर से समर्थित देश अगर रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। पुतिन की नई परमाणु नीति के मुताबिक रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। पुतिन ने परमाणु नीति में बदलाव रूस-

यूपी के नोएडा के पास बसाया जा रहा नया शहर

सर्वे हुआ शुरू, जल्द होगा भूमि अधिग्रहण का

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नया शहर बसाया जाएगा। न्यू नोएडा के नाम से बसाए जा रहे इस शहर का विकास डेडीकेटेड दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन के तहत किया जाएगा। इसके मास्टर प्लान को पिछले दिनों ही शासन से मंजूरी मिली थी। इसके बाद जमीन अधिग्रहण के लिए सर्वे का काम भी शुरू हो गया है। इस शहर को बसाने के लिए जोखाबाद गांव में अस्थायी कार्यालय खोला जाएगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने हाल ही में बुलंदशहर के सिकंदराबाद का सर्वे किया। इस कार्यालय से भूमि अधिग्रहण किया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा भवन के निर्माण में तेजी लाएगी सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा की चंडीगढ़ में नई विधानसभा बनने को लेकर चल रहे विवाद के बीच स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नई विधानसभा भवन बनाने की जो प्रक्रिया आलरेडी चली हुई है। जमीन को लेकर उस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि इसी कार्यकाल में विधानसभा बनाया जा सके। सरकार भी इस काम में तेजी से काम कर रही है। हरविंदर कल्याण ने यह बयान विधानसभा सत्र के संपन्न होने के एक दिन बाद बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया है। उन्होंने ये भी कहा विधानसभा भवन में लाइब्रेरी के अंदर एक ऐसा सेल बनायेंगे ताकि किसी भी सदस्य को विधायी कार्यों में कोई जानकारी चाहिए तो उन्हें सही तरीके से मिल सके और मदद मिलेगी।

बिहार के सवा लाख नियोजित शिक्षकों के लिए गुड न्यूज

जहां हैं वहीं रहेंगे, अभी नहीं होगा ट्रांसफर, सीएम नीतिश का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने नियोजित शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि उन्हें उनके वर्तमान पदस्थापन स्थान पर ही विशिष्ट शिक्षक का दर्जा दिया जाएगा। पटना में बुधवार को आयोजित एक समारोह में 1 लाख 14 हजार 138 नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशिष्ट शिक्षक बनने के बाद भी सभी शिक्षक अपने वर्तमान स्कूलों में ही पढ़ाते रहेंगे। इससे पहले यह चर्चा थी कि विशिष्ट शिक्षक बनने के बाद नियोजित शिक्षकों का तबादला दूसरे जिलों या स्कूलों में किया जा

सकता है। इससे शिक्षकों में काफी बेचैनी थी। मुख्यमंत्री ने इसी बेचैनी को दूर करते हुए कहा, नियोजित शिक्षकों को हम लोग (सरकार) सरकारी शिक्षक बना रहे थे। बात चल रही थी कि लेडी टीचरों को अलग और जेंट्स शिक्षकों को अलग पोस्टिंग मिलेगी। इसको लेकर ये नियोजित शिक्षक अपनी नई पोस्टिंग को लेकर परेशान हैं।

हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि नियोजित शिक्षक अभी जहां काम कर रहे हैं, अब वहीं विशिष्ट शिक्षक बनकर पढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है, उनमें 98,349 प्रारंभिक शिक्षक, 12,524 माध्यमिक शिक्षक और 3,265 उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बाकी बचे 85,609 नियोजित शिक्षकों को भी जल्द ही एक सामान्य परीक्षा के माध्यम से विशिष्ट शिक्षक बनने का मौका दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने 200 शिक्षकों को खुद अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे।

मणिपुर में ताजा हिंसा के लिए चिदंबरम हैं जिम्मेदार

सीएम बीरेन सिंह ने पूर्व केन्द्रीय गृहमंत्री पर लगाए कई गंभीर आरोप

कहा-केंद्रीय गृहमंत्री रहते उन्होंने किया था उग्रवादी गुटों से समझौता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फिर से हिंसा का दौर शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में फिर से हिंसा पी चिदंबरम की नीतियों के कारण शुरू हुई है। बीरेन सिंह ने चिदंबरम की एक पुरानी तस्वीर दिखाते हुए कहा- मणिपुर में ताजा हिंसा म्यांमार से आए अवैध अप्रवासियों के कारण हो रही है। ये ड्रग्स के व्यापार के लिए मणिपुर आए और अब पूरे नॉर्थ-ईस्ट को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब चिदंबरम यूपीए सरकार में केन्द्रीय गृह मंत्री थे, तब उन्होंने 12 से ज्यादा कुकी उग्रवादी ग्रुप और केंद्र-राज्य सरकार के बीच एक समझौता किया था। तब मणिपुर में कांग्रेस के ओ इबोबी मुख्यमंत्री थे। चिदंबरम और इबोबी म्यांमार के जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के अध्यक्ष थांगलियानपाउ गुइते को मणिपुर लाए थे। इस तस्वीर में गुइते और चिदंबरम हाथ मिलाते नजर आ

रहे हैं। दरअसल, चिदंबरम ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कि मैतेई, कुकी-जो और नगा केवल तभी एक राज्य में साथ रह सकते हैं, जब उन्हें वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता मिले। चिदंबरम की पोस्ट से कांग्रेस ने किनारा कर लिया था। बाद में चिदंबरम ने पोस्ट भी डिलीट कर दी थी। इसी पोस्ट का जवाब देते हुए बीरेन सिंह ने कहा- मुझे चिदंबरम की पोस्ट देखकर हंसी आती है। मैं उन्हें इन तस्वीरों के जरिए याद दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने ही इन विदेशियों को भारत में और मणिपुर में एंट्री लेने दी।

संभल की जामा मस्जिद का 2 घंटे तक हुआ सर्वे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद को लेकर विवाद सामने आया है। हिंदू पक्ष ने मस्जिद के श्रीहरिहर मंदिर होने का दावा किया है। इस मामले को लेकर हिंदू पक्ष कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने पूरे परिसर का सर्वे कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 29 नवंबर तक इसकी रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद मंगलवार देर शाम एडवोकेट कमीशन की टीम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मस्जिद के अंदर सर्वे किया। पूरे परिसर की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की। इस दौरान स्थिति काफी तनावपूर्ण दिखाई दी। सर्वे की जानकारी होते ही मुस्लिम पक्ष में नाराजगी फैल गई। लोग मस्जिद के इर्द-गिर्द और छतों पर जमा हो गए। प्रशासन ने वादी महंत ऋषिराज को मस्जिद के पास से हटा दिया।

यूपी उपचुनाव में इलेक्शन कमीशन का बड़ा ऐक्शन

- कानपुर, अम्बेडकरनगर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर के कुल 7 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में दो पुलिस सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उपचुनाव की वोटिंग के दौरान गड़बड़ी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कड़ी कार्रवाई हुई है। चुनाव आयोग यूपी के सात पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इसमें मुरादाबाद में तीन, मुजफ्फरनगर के दो और कानपुर के दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगा था कि वोट डालने जा रहे मतदाताओं के वोटर कार्ड चेक किए। उन्हें वोट डालने से रोका गया। चुनाव आयोग ने समाजवादी पार्टी की शिकायत पर यूपी के पुलिस अधिकारियों को पहले ही आदेश दे रखा था कि वह वोटरों के आईडी कार्ड चेक नहीं करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से आदेश जारी किया गया है कि वैसे भी ये अधिकार चुनाव प्रक्रिया में ड्यूटी करने वाले अधिकारियों का होता है। पुलिस अधिकारियों या जवानों का यह अधिकार नहीं है।

एमपी-राजस्थान समेत 8 राज्यों में घना कोहरा

कानपुर में विजिबिलिटी-जीरो, कश्मीर के शोपियां में तापमान माइनस 3.9ए; 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में उत्तर भारत के राज्यों के साथ-साथ अब मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ठंड लगातार बढ़ रही है। तापमान गिरने के साथ-साथ कोहरे का दौर भी शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने बुधवार को एमपी-राजस्थान समेत 8 राज्यों के कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। कोहरे का सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश में दिखा। कानपुर में विजिबिलिटी घटकर जीरो और लखनऊ में 50 मीटर रह गई। बिहार के पूर्णिया, पंजाब के बठिंडा, हरियाणा के सिरसा और एमपी के ग्वालियर में विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई।

जम्मू-कश्मीर में 3 दिन से जारी बर्फबारी का दौर बुधवार को थम गया है। श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया

गया है। शोपियां देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उधर, राजस्थान के सीकर में तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। मौसम विभाग ने यहां बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, लक्षद्वीप के अलावा बुधवार को अंडमान-निकोबार, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश का अनुमान है। असम और मेघालय में ओले गिरने का भी अनुमान है। तमिलनाडु के कई जिलों में तेज बारिश का दौर 2 दिन से लगातार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय पुरुस्कार से डॉ. बी के जैन सम्मानित, बधाइयों का लगा तांता

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (एजेंसी)। संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा चित्रकूट के जानकीकुंड में स्थापित श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा बी के जैन पुणे नेत्र सेवा प्रतिष्ठान द्वारा नेत्र सेवा के क्षेत्र में पाँच दशकों के अतुलनीय कार्य एवं योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित एक विशिष्ट समारोह में काइनेटिक ग्रुप ऑफ कम्पनी के चेयरमैन अरुण फिरोदिया ने प्रदान किया। समारोह में आयोजक डॉ.मधुसूदन झामवर प्रेसिडेंट, डॉ.सतीश देसाई अध्यक्ष, डॉ.राजेश पवार सचिव, डॉ.पी.डी. पाटिल की उपास्थिति में उत्कृष्ट नेत्र सेवा के कार्यो के लिए पुणे नेत्रसेवा प्रतिष्ठान की ओर से यह पुरुस्कार प्रदान किया गया, वही राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने की खुशी चाहने वालों की बधाइयों का तांता लगा हुआ है। आपको बता दें कि डा जैन नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही छाप बनाई है जिसके लिए वह राज्यीय, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सहित तमाम पुरस्कारों से देश के कोने कोने में सम्मानित किए गए। डा जैन नेत्र चिकित्सा क्षेत्र के साथ साथ सामाजिकता के क्षेत्र में भी अपनी अलग ही पहचान बनाई है वह हमेशा सबकी अनुशासित रहने की शिक्षा देते है और कहते है कि एक अनुशासित व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता।डा जैन अपने हर सम्मान/ पुरस्कार का श्रेय नेत्र चिकित्सालय के समस्त स्टॉफ/ कार्यकर्ताओं एवं सदगुरू परिवार के सभी सदस्यों को देते है, साथ ही कहते है कि मैं तो बस एक निमित्त मात्र हूं सब मेहनत तो हमारा स्टॉफ करता है इसलिए कोई भी सम्मान/ पुरस्कार मुझे नहीं हमारे एक एक कार्यकर्ता को मिलता है।

बाघ जैसे वन्यप्राणियों के विरूद्ध अपराध प्रकृति और वन के लिये खतरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव श्री वी. एन. अंबाडे ने उच्च न्यायालय द्वारा वन्य-जीवों से संबंधित अपराध में लिये गये निर्णयों के परिपालन में प्रदेश के वन परिक्षेत्र के सभी अधिकारियों को एडवायजरी जारी की है। एडवायजरी में उच्च न्यायालय के निर्णय सुनील खंडाते एवं अन्य विरुद्ध मध्यप्रदेश'' और उत्कर्ष अग्रवाल विरुद्ध मध्यप्रदेश'' में सुनवाई के दौरान निर्णय को भविष्य में समान प्रकृति के वन अपराधों में शासन हित में जमानत याचिकाओं के निरस्तीकरण के लिये उपयोग किया जा सकता है। स्टेट टाईगर स्ट्राईक फोर्स (स्ङ्मस्स्न) ने वन्यजीव से संबंधित संगठित अपराध गिरोह पर कार्रवाई की थी, जिसके बाद गिरफ्तार आरोपियों ने उच्च न्यायालय के समक्ष जमानत याचिकाएँ दायर की थी। माननीय न्यायालय ने बाघ जैसे वन्य प्राणियों के शिकार की घटना को सामान्य अपराधों के समान नहीं माना जा सकता, क्योकि ऐसा अपराध प्रकृति और वन के लिये खतरा है। कहते हुएजमानत याचिकाओं को खारिज किया। माननीय उच्च न्यायालय ने कहा कि वन्य-जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत जमानत देने मानदण्ड भारतीय न्याय संहिता के तहत अन्य अपराधों की तुलना में अधिक कठोर है। यह नारकोटिक्स, ड्रग्स एवं साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के प्रावधानों के सामान्तर है, जो जमानत के लिये सख्त शर्ते भी लगाता है। माननीय न्यायालय ने कहा कि वन्यजीव प्राणियों के अवैध व्यापार से सबंधित अपराधों की गंभीर प्रकृति के कारण ऐसे मामले जमानत के लिये आवश्यक आधारों को पूरा नहीं करते। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि आरोपियों के खिलाफ आरोपों की गंभीरता देखते हुए मामले की आगे की जांच के लिये हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने समस्त क्षेत्र संचालक टाइगर रिजर्व, मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय), संचालक राष्ट्रीय उद्यान, वनमण्डलाधिकारी (क्षेत्रीय/वन्यप्राणी), संभागीय प्रबंधक वन विकास निगम एवं प्रभारी अधिकारी स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स क्षेत्रीय इकाई को निर्देश जारी किये हैं।

20 नवम्बर को 7वां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल स्थित शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय के स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में 7वां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का 20 नवम्बर को प्रातः 10ः30 बजे होगा। यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित विषय प्राकृतिक चिकित्सा से समग्र स्वास्थ्य पर आधारित होगा। इसमें आदर्श पुरोधा एवं प्रतिमान योद्धा नामक दो सम्मान भी दिए जाएंगे। यह सम्मान प्राकृतिक जीवन के आदर्शो पर 90 वर्ष के ऊपर आयु के स्वस्थ सैनिकों को दिए जाएंगे। कार्यक्रम में सलाहकार केंद्रीय आयुष मंत्रालय श्री अशोक वार्ष्णेय एवं आयुक्त आयुष श्रीमति उमा माहेश्वरी आर सहित विभिन्न विषय विशेषज्ञ एवं चिकित्सक उपस्थित रहेंगे।

ग्रामीण विकास उत्सव, उत्पादों और कारीगरों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच-राज्यपाल मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ग्रामीण विकास उत्सव, देश भर के कारीगरों और प्रसिद्ध उत्पादों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच है। ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल नाबार्ड द्वारा भोपाल हॉट बाजार में आयोजित ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 19 से 27 नवम्बर तक आयोजित हो रहे ग्रामीण विकास उत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने विगत 6 वर्षों से देशभर के कारीगरों के प्रोत्साहन के लिए उत्सव का आयोजन करने पर नाबार्ड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ऐसे आयोजनों का व्यापक और सघन स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। राज्यपाल श्री पटेल ने स्थानीय मीडिया से भी अपील की कि देश के कारीगरों के उत्पादों के प्रचार-प्रसार में

भरपूर सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नाबार्ड, सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम, आजीविका एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम और गैर कृषि उत्पादक संगठन बनवाने जैसे विकास के महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। कृषि, कुटीर, ग्रामीण एवं लघु उद्योगों हस्तशिल्प के विकास परक कार्यों के द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और समृद्धि में प्रभावी योगदान दे रहा है। नाबार्ड द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं, हस्तशिल्पियों और कृषक उत्पादक संघों के सदस्यों के लिए कौशल विकास की कई योजनाएं भी चलाई जा रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है। जब आत्मा मजबूत होगी तभी पूरा शरीर यानि हमारा देश मजबूत, सक्षम और आत्म-निर्भर होगा। उन्होंने नाबार्ड के ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन के द्वारा सम्मानजनक आजीविका पाने के प्रयास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की दिशा में सार्थक कदम बताया। राज्यपाल श्री पटेल ने योजनाओं में प्रशिक्षित ग्रामीण किसानों, महिलाओं के समूहों और कृषक उत्पादक संघो के उत्पादों की बिक्री के लिए रूरल मार्ट, रूरल हाट और रूरल मार्ट ऑन व्हील्स जैसी पहल के लिए नाबार्ड की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन के दौर में ग्रामीण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्व-सहायता समूहों की भूमिका को विस्तारित किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारम्भ अवसर पर देश के प्रसिद्ध उत्पादों का अवलोकन किया।

पराली में मौजूद फायबर पशुओं को अत्यंत प्रिय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धान, गेंहू मक्का सहित अन्य खाद्य फसलों की कटाई के बाद शेष बचा हिस्सा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता रहा है। क्योंकि खेतों में अवशेष के रूप में इस हिस्से में किसान आग लगा देता है और इससे इंसानी बस्तियों, परिवेश और वातावरण प्रदूषित होता जाता है। हाल ही में कृषि अभियांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा नरवाई जलाने की घटनाओं का सेटेलाइट डेटा जारी किया गया है। बालाघाट जिले में कृषि की परम्परागत शैली से ऐसी घटनाएं बिल्कुल नगण्य सी है। जिले के उप संचालक कृषि श्री राजेश खोब्रागड़े बताते हैं कि बालाघाट में नरवाई (पराली) जलाने के मामले में यहां के किसान बेहद सजग हैं। यहां किसान धान का उपयोग तो अपने लिए करते ही है, जबकि धान कटाई के बाद शेष बचे हिस्से (खूंट या खूंटी) को पशुओं के भोजन के रूप में खेतों में ही रहने देते हैं और कुछ हिस्सा काटकर पशुओं के लिए पुंजनी या पुंजना या कहें रोल बनाकर सुरक्षित रख लेते हैं।

यहां परम्परागत रूप से खेती-किसानी का प्रबंधन बेहतर स्वरूप से दिखाई देता है। जिले में 15 सितंबर से 16 नवम्बर तक 6 घटनाएं पराली जलने की रिकॉर्ड हुई है। जिले में किसान हार्वेस्टर से कटाई के बावजूद एक फीट तक धान काटता है और रियर से कटाई करने पर भी कुछ हिस्सा शेष रखते है। यहां किसान धान का शेष भाग मुख्य रूप से पशुओं के लिए संरक्षित करते हैं और पूरे साल भर इसे पशुओं के चारे के रूप में उपयोग में लाते हैं। बालाघाट जिले में खरीफ की फसल में मुख्य रूप से धान का रकबा अधिक है। यहां इस वर्ष 2 लाख 60 हजार हेक्टेयर में धान उगाई गई। बालाघाट प्रदेश का एकमात्र जिला है, जो रबी सीजन में भी धान की फसल उगाता है। यहां रबी में करीब 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुआई की जाती है। जिले में खरीफ धान की 60 से 70 प्रतिशत कटाई रिपर से हुई है, जबकि हाथों से मात्र 10 से 20 प्रतिशत। जिले के किसान नरवाई (पराली) या पैरा का उपयोग सदियों से विभिन्न तरीकों से करते आ रहे है। यहां पराली को पशुओं के चारे के रूप में, खाद बनाने के लिए, ऊर्जा उत्पादन के लिए, कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए, मिट्टी की दीवार बनाने में और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

निर्माण एजेंसियां कार्य पर लगातार नज़र रखे गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करे कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। निर्माण एजेंसियां कार्य पर लगातार नज़र रखे। निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को गोविंदपुरा में विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 67 में लगभग 50 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए की कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और सीसी रोड बनाते समय कॉलोनी में पानी का ठहराव नहीं हो ऐसी व्यवस्था करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड-67 के सुंदर नगर में 22 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड लक्ष्मी नगर में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी सड़क और राजीव नगर में 9 लाख रुपए की लागत के पेवर ब्लॉक निर्माण का भूमि-पूजन किया।

स्थानीय पार्षद श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्री प्रदीप लोधी, श्रीमती छाया ठाकुर, श्री पप्पू व्यास, श्री प्रमोद तिवारी, श्री मनोज विश्वकर्मा और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

तालाबों एवं बावडियों के जीर्णोद्धार की बनाएं कार्य-योजना-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों में रिजल्ट ओरिएंटेड काम किए जाएं। सभी तालाबों एवं बावडियों का जीर्णोद्धार करें। इसके लिये पंचायत बार कार्य-योजना बनाए चरणबद्ध तरीके से काम करें। पौध-रोपण के बाद उनका सर्वाइवल रेट अधिक रहे, इस पर भी कार्य किया जाए। मंत्री श्री पटेल ने सोमवार को मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मनरेगा में गत 15 नवंबर की स्थिति में जिन जनपद पंचायतों में श्रम सामग्री का अनुपात सही होगा, उनमें ग्रेवल रोड, खेत तालाब तथा

अन्य नये कार्य प्रारंभ करने की मंजूरी जारी की जा रही है। यह राशि 1 से 3 करोड़ रूपये तक स्वीकृत की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैन मुनियों के प्रवास मार्ग चिन्हित कर प्रमुख मार्गों पर उनके रुकने के लिए समुचित व्यवस्था की जाये। शासकीय भूमि पर समुचित पौध-रोपण किये जायें।

समीक्षा में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों में खेत सड़क एवं सुदूर सड़क योजना में सड़कों की मांग एक बार में ही चिन्हित कर ली जाये, जिससे स्वीकृति के लिए निर्णय लिया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि स्कूल शिक्षा विभाग के तहत स्कूलों की बाउंड्रीवॉल निर्माण में मनरेगा कन्वर्जेंस रेट भी तय किया जाए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मनरेगा में किए जा रहे पौध-रोपण को बाउंड्रीवॉल से सुरक्षित किया जाए। पौधे जल-स्त्रोतों के निकट ही लगाये जाये कि ये पौधे सुरक्षित भी रहें। हम सबको इसके लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने नर्मदा नदी के किनारों पर सघन पौध-रोपण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों की जनपद स्तर पर क्लस्टर मीटिंग नियमित रूप से होना चाहिए। बैठकों में ग्राम विकास की कार्ययोजना तय की जानी चाहिए। उन्होंने विभाग के पदस्थ इंजीनियर्स की प्रापर ट्रेनिंग कराने के निर्देश भी दिए।

इंडिया ओपन राइफल और पिस्टल कॉम्पिटीशन 2024 का आयोजन भोपाल में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश और भारतीय राष्ट्रीय रायफल महासंघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 19 से 28 नवम्बर तक इंडिया ओपन राइफल और पिस्टल कॉम्पिटीशन 2024 का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ग्राम गौरा भोपाल में किया जा रहा है। शूटिंग अकादमी में रायफल, पिस्टल और शाटगन की अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अधोसंरचना निर्मित है।

पेरिस ओलम्पिक के प्रशिक्षण शिविर भोपाल में आयोजित हुये थे। पिछले वर्ष विश्व कप का भी आयोजन भोपाल में हुआ था। विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जा रही अधोसंरचना और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये इण्डिया ओपन प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देश भर के शूटिंग रायफल के 1719 और पिस्टल के 4780 सहित कुल 6499 खिलाड़ियों के प्रतिभागिता करने की संभावना है।

66वां अखिल भारतीय कालिदास समारोह रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के आतिथ्य में 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय त्रिपदी परिवार के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप तराणेकर ने की। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि श्री सर्वेश्वर श्री रघुनाथ मंदिर माउण्टआबू राजस्थान के स्वामी श्री सियाराम दास जी महाराज थे।

कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा सुरबहार वादन, घुंघरू वादन एवं सरोद वादन की प्रस्तुति दी गई। स्वामी श्री सियाराम दास जी महाराज ने उद्बोधन दिया कि जिस प्रकार समुद्र के रत्नों का लाभ वहीं उठा सकते हैं, जो ज्यादा गहरा गोता लगा सकते हैं। उसी प्रकार भारतीय दर्शन का लाभ वही ले सकते हैं, जो महाकवि कालिदास की कृतियों को आत्मसात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास सिर्फ कवि नहीं थे, वह अपने समय के महान वेदांती एवं मिमांसी थे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि अखिल भारतीय समारोह एक प्रतिष्ठित समारोह है। यह समारोह 7 दिन तक संगीत, नाटक, वाद-विवाद, संगोष्ठी, व्याख्यान-माला, सांस्कृतिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास एक महान विद्वान थे। उनके ग्रंथ सिर्फ काव्य नहीं है, अपितु उनमें समाज के कल्याण के लिए संदेश भी निहित है। उनके काव्यों ने समाज में धर्म एवं संस्कृति का समावेश किया है। इसी के साथ उनकी रचनाओं में प्रकृति के प्रति प्रेम का अद्वितीय चित्रण है। महाकवि कालिदास की कर्मभूमि उज्जैन रही है, वे विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक रहे हैं। मैं भगवान श्री महाकालेश्वर की पावन भूमि अवंतिका को प्रणाम करता हूँ। उन्होंने कहा कि यह वर्ष उज्जैन के लिए गौरवशाली रहा है, यहां के नेतृत्वकर्ता डॉ. मोहन यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री भी बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में कालिदास समारोह में देश की महान विभूतियाँ शामिल हुई हैं। यह सांस्कृतिक विधाओं के प्रति मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रतिबद्धता दर्शाती है। इस समारोह के माध्यम से महाकवि कालिदास एवं संस्कृत विषय में विद्यार्थियों की रूचि पुनः जागृत हुई है, यह हमारे सांस्कृतिक उत्थान एवं अभ्युदय का प्रतीक है। समारोह हमारी भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की महान ज्ञान परंपरा का दर्शन महाकवि कालिदास के ग्रंथों से होता है। समारोह हमारी ज्ञान परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत में 300 साल पहले तक 7 लाख से ज्यादा गुरूकूल थे

जो कि शिक्षा के प्रमुख केन्द्र हुआ करते थे। भारत में नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला जैसे विश्व में ज्ञान की गंगा बहाने वाले विश्वविद्यालय पुरातनकाल से रहे हैं।

मध्यप्रदेश बनेगा देश का लॉजिस्टिक्स हब -उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश के समग्र विकास के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में हो रहे कार्यों को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा भी विकास के लिये सतत नवाचार किये जा रहे है। नीति आयोग एक नवीन पहल कर प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने नीति आयोग को इसके लिये की जा रही वर्कशॉप के लिये बधाई और शुभकामनाएँ दी। सोमवार को नीति आयोग ने आवश्यक रणनीति तैयार करने के लिये एक कार्यशाला की। कार्यशाला का विषय मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब- चुनौतियाँ और समाधान था। कार्यशाला में बताया गया

कि मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिये एकीकृत रणनीति बनेगी। मल्टी-मॉडल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इंदौर में राज्य का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, एमएलएलपी स्थापित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग की कार्यशाला में राज्य लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने, नीति-निर्माण में सुधार के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा हुई। कार्यशाला में केंद्रीय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, नीति विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण लॉजिस्टिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हालांकि, राज्य को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कुशल इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग सुविधाओं, मल्टी-मॉडल परिवहन और एमएसएमई की आवश्यकताओं को पूरा करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस नीति संवाद का उद्देश्य इन चुनौतियों का समाधान खोजना और आधुनिक, टिकाऊ और किफायती लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम विकसित करना था। मुख्य कार्यपपालक अधिकारी राज्य नीति आयोग श्री ऋषि गर्ग ने कहा कि यह संवाद सरकारी विभागों, हितधारकों और निजी क्षेत्र के लिए विचारों और समस्याओं को साझा करने का एक प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से बेहतर नीतियाँ और कार्य योजनाएँ तैयार की जा सकेंगी।

किराने की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

पीड़ित से विधायक ने की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम रैदुअरिया में बुधवार सुबह करीब 7 बजे अचानक एक किराने की दुकान में आग लग गई। जिससे दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। फिर भी दुकान में रखे सामान को जलने से नहीं बचा पाए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचा। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे की सूचना पर चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल पहुंचे और लोगों को समझाइश दी।

दरअसल, पीड़ित सुखलाल गुप्ता निवासी रैदुअरिया आज सुबह घर में सब सो रहा था। इसी दौरान अचानक किराने की दुकान में आग लगी। जिसमें किराने का सारा सामान था। जिसमें लगभग 2 लाख 53 हजार का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी लगते ही आसपास के लोगों ने अपने हाथों से आग को बुझाना चाहा, लेकिन आग बुझाने में सफलता नहीं मिली। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह राहुल मौके पर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने पीड़ित सुखलाल गुप्ता को समझाइश के साथ ही उन्हें हर संभव मदद का भरोसा और आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि हम इसकी जांच करवाएंगे। यदि नियम के मुताबिक मुआवजा बनता है, तो उसे पर हम जरूर कार्रवाई करेंगे। चौकी प्रभारी पिपराव शेषमणि मिश्रा ने बताया है कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची थी और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

खलिहान में लगी आग, 250 बोरी धान खाक

ट्रैक्टर के इंजिन से उठी चिंगारी से हादसा, दमकल पहुंचने से पहले जल गया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल में धान गहाई के दौरान ट्रैक्टर के इंजन से उठी चिंगारी ने खलिहान में रखी 250 बोरी से अधिक धान सहित ट्रैक्टर और थ्रेसर को जला कर राख कर दिया है। घटना जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह घटी है। चंद मिनट में ही आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आग फैल गई और सब कुछ जलकर राख हो गया। जिससे किसान का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

किराए पर बुलवाया था ट्रैक्टर: जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मलौटी गांव में धान की गहाई के लिए किसान रामचंद्र सिंह कंवर ने गांव के एक ट्रैक्टर को किराए पर बुलवाया था। जिसमें थ्रेसर लगा हुआ था, जो धान की गहाई कर रहा था,अचानक इंजन गर्म हुआ और इंजन से उठी चिंगारी से आग लग गई। जिससे किसान का काफी नुकसान हुआ है।

लोग देखते रहे और सब खाक: घटना के दौरान वहां पर काफी लोग मौजूद थे, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि सब कुछ चंद ही मिनटों में खाक हो गया। किसान रामचंद्र सिंह ने मामले की जयसिंहनगर में दमकल को दी थी।

जयसिंहनगर पुलिस ने बताया कि आग से ट्रैक्टर इंजन, थ्रेशर और धान नष्ट हो गई है। लोगों ने दमकल कर्मियों को जानकारी दी थी। जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, तब तक सब खाक हो गया था। मामले की विवेचना की जा रही है।

तहसील के कर्मचारी ने घर जाकर मांगे पैसे

नामांतरण फाइल में रिपोर्ट लगाने ले रहा था 150 रुपए, एसडीएम बोले- कार्रवाई की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में तहसील कार्यालय का एक कर्मचारी के नामांतरण फाइल में रिपोर्ट लगाने के नाम पर घर-घर जाकर पैसे मांग रहा था। लोगों ने कर्मचारी का वीडियो बना लिया, जिसमें वह कह रहा है कि मुझे पेट्रोल के लिए अधिकारियों ने लोगों से पैसे लेने कहा है। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम ने कार्रवाई करने की बात कही है।

दरअसल, चौबे कॉलोनी की रहने वाली अरुण देवी ने कुछ दिन पहले एक प्लॉट खरीदा था, जिसके नामांतरण के लिए तहसील में आवेदन लगाया था।

बुधवार सुबह तहसील का कर्मचारी रमेश सेन उनके घर पहुंचा और अरुण पटेल और उमाशंकर पटेल के नाम से दोनों आवेदन के 300 रुपए मांगने लगा। पैसे देने से मना किया तो उसने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार का आदेश है, सभी को पैसे देने पड़ते हैं। जब कर्मचारी उनके घर एक कागज पर हस्ताक्षर कराने के लिए गया था, तभी आवेदक ने अपने मोबाइल उसका वीडियो बना लिया।

बोला- छोटे कर्मचारी हैं, सिर्फ 30 हजार रुपए सैलरी है: आवेदक ने कर्मचारी से कहा कि पैसे किस बात के लिए रहे हो, तब कर्मचारियों ने कहा कि हम एक छोटे स्तर के कर्मचारी हैं। हमारी सैलरी केवल 30 हजार रुपए है, इसीलिए हम लोगों से पेट्रोल के लिए एक व्यक्ति से डेढ़ सौ रुपए लेते हैं। तब आवेदक ने कहा कि इसका पैसा आपके कार्यालय से नहीं दिया जाता, कर्मचारियों ने कहा कि तहसील और एसडीएम ने कहा है कि जिसके पास जाओ उसी से पेट्रोल के पैसा ले लिया करो।

बाइक से पहुंचा था कर्मचारी: कर्मचारी आवेदक अरूण देवी के घर बुधवार सुबह 10 बजे बाइक से पहुंचा था, जिसके पास बहुत सारे नोटिस थे, जिन पर वह घर जाकर हस्ताक्षर कराते हुए एक व्यक्ति से 150 सौ रुपए वसूल रहा था।

रिपोर्ट लगाने के नाम पर मांग रहा था पैसे: बताया जा रहा है कि रमेश सेन तहसील कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है, वह रिकॉर्ड रूम में पदस्थ है। इसका काम रिकॉर्ड में नोटिस इश्तिहार तामिल कराना है। रमेश सेन ने आवेदक के घर जाकर कहा कि मुझे आपके आवेदन में रिपोर्ट लगाना है, जिसके एवज में आपको डेढ़ सौ रुपए मुझे देना होगा।

अब धैर्य काफी हो चुका जल्द निर्णय नहीं हुआ तो होगा जेल भरो आंदोलन

शिवसेना व किसान मजदूर का 88वे दिन अनिश्चित कालीन अनशन जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। ललितपुर-सीधी-सिंगरौली रेल लाइन से प्रभावित भूमिहीन परिवार रोजगार, मुआवजा जैसी विभिन्न समस्या को लेकर लगातार 88वे दिन कलेक्ट्रेट मुख्यालय के सामने वीथिका भवन में अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी है। जहां शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब दो सैकड़ा ऐसे यदि गरीब परिवार हैं जिनके पास रहने के लिए मकान, रोटी, कपड़ा जैसी चीज नहीं है जो भी है परिवारों के पास कच्चा टूटा फूटा मकान था। रेलवे में फंसने की वजह से यह बेघर हो चुके हैं ऐसी अवस्था में 88 दिन बीत चुके अनिश्चित कालीन आंदोलन जहां अभी भी आश्वासन के रूप में आस लगाए बैठे हुए हैं जिसमें राजस्व अधिकारियों द्वारा या बताया जा रहा है कि भूमिहीन परिवारों के लिए भूमि कार्यवाही जल्द पूर्ण होने वाली है लेकिन एक लंबा समय बीत चुका है और ऐसी स्थिति में अब धैर्य का बांध टूट रहा है उम्मीद है प्रशासन जल्द कार्रवाई करें पांडे ने कहा वरना मजबूरन संवैधानिक नियम से बाहर जाकर हजारों रेलवे पीड़ित किसान मजदूर साथियों के साथ मुख्यालय घेर कर होगा उग्र जेल भरो आंदोलन की तैयारी है।

20 स्टूडेंट्स को 3-3 साल की जेल

फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई में एडमिशन लिया था, कोर्ट ने सुनाया फैसला

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर अपर एवं सत्र न्यायालय ने 20 छात्रों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। छात्रों ने फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई में प्रवेश लिया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। जिला लोक अभियोजक अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना जैतहरी में 17 अप्रैल 2014 को धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज हुई थी। इसमें वर्ष 2012-13 में प्रवेश लेने वाले छात्रों में से कुछ छात्र फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई जैतहरी में प्रवेश लिया था। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120बी भादवि 1860 के तहत केस दर्ज कर जांच में लिया गया। जांच के बाद अभियोग-पत्र कोर्ट में पेश किया गया। न्यायालय ने दोषी पाते हुए आरोपियों के खिलाफ सजा सुनाई है।

यह हैं आरोपी: राघवेन्द्र कुमार, सुरेश सिंह राठौर, झल्लू सिंह उर्फ मनोज राठौर, रामखेलावन राठौर, उतेन्द्र सिंह राठौर, रवि सिंह राठौर, संदीप कुमार, जितेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार द्विवेदी, शकुन राठौर, बीना देवी कोल, अमर सिंह राठौर, प्रकाश कुमार केवट, मनोज कुमार राठौर, लीलाधर, अनिल कुमार, संतोष कुमार राठौर, मनोज कुमार पिता उदय सिंह राठौर व चरण सिंह राठौर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में 18 नवंबर को महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम मे प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के मुख्य आतिथ्य में नई शिक्षा नीति 2020 के एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में प्राचार्य ने एक दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अध्ययन अध्यापन, पाठ्यक्रम, परीक्षा पद्धति की जानकारी दी और साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं को अवगत करते हुए योजनाओं से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना तथा प्रतिभा किरण योजना को विस्तार से समझाते हुए पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ लेने हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की समझाइस दी।

कार्यशाला में डॉ उमाकांत साहू सहायक प्राध्यापक रसायन विज्ञान व एन.ई.पी.जिला एम्बेसडर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम एवं परीक्षा परिणाम में क्रेडिट सिस्टम की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की। कार्यशाला में अगले वक्ता के रूप में डॉ गुलशेर अहमद सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने महाविद्यालयीन परीक्षा प्रणाली के संचालन व प्रश्नपत्र से संबंधित महत्वपूर्व बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

नवागत एसपी ने ग्रहण किया पदभार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में नवीन पद स्थापना पर आए एसपी मनीष खत्री ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले जिले भर के थाना और चौकी प्रभारियों के साथ बैठक कर जिले की स्थिति को समझा। इसके बाद एसपी मीडिया से रूबरू हुए और उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं पर कहा कि साइबर क्राइम, महिला अपराध और नशे के खिलाफ कार्रवाई मेरी टॉप प्रायोरिटी रहेगी। मैं इस बात का भी पूरा ख्याल रखूंगा कि हर जरूरतमंद व्यक्ति के पास जल्द से जल्द पुलिस की सहायता पहुंच जाए और उन्हें पूरी तरीके से न्याय मिले। हाल ही में आईबी की रिपोर्ट में सिंगरौली जिले में नक्सली मूवमेंट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों और जिले के अधिकारियों से पूरी तरह से जानकारी लेकर निगरानी करेंगे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में "भारतीय ज्ञान परंपरा" के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह वितरित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत एवं अध्यक्षीय उद्धबोधन प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने किया साथ ही विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं भी दी।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पवन मिश्रा अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय मझौली उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथ और परम्पराए हमारे मार्गदर्शक हैं जो हमे आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंजू सिंह प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय मड़वास ऊपस्थित थी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी अहंकार नही पालना चाहिए इसके साथ ही सभी प्रतिभागी छात्रों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित एड.अमरनाथ तिवारी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हमारी उन्नति सम्भव हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री एवं डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. पंकज मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ संगीता मिश्रा, डॉ निशा सिंह, डॉ. ज्योति रजक, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ रामधारी जायसवाल, डॉ राजेश पटेल, प्रो.प्रवीण कुमार साकेत, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें ऊपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए का फ्रॉड

शिक्षा विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का दिया था झांसा गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में शिक्षा विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से 50 हजार रुपए ठग लिए। आरोपी को बुधवार को पुलिस ने शहडोल से गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि विजय तिवारी (27) पिता उमेश कुमार तिवारी निवासी अनूपपुर ने आदर्श मिश्रा, अंजली मिश्रा, रोहित सिंह, संध्या सिंह व रामकिशोर सिंह ने कोतवाली में धोखाधड़ी का रिपोर्ट दर्ज कराई था । बताया था कि शहडोल जिले के नवागांव के रहने वाले दिवाकर मिश्रा ने अनूपपुर में सरकारी स्कूलों में बायोमीट्रिक डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाई जाने के नाम पर भर्ती रजिस्ट्रेशन फीस और अन्य चार्ज बात कर रुपए ले लिए हैं।

पीड़ित ने बेरोजगार नवयुवक व नवयुवतियों ने रजिस्ट्रेशन फीस और सरकारी नौकरी दिलाए जाने के लिए कुल 50 हजार 200 रुपए दे दिए। कुछ दिन बाद दिवाकर मिश्रा ने मोबाइल रिसीव करना बंद कर दिया। इसके बाद फोन ही स्विच ऑफ कर लिया। विजय ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी पहले भी कर चुका धोखाधड़ी: पुलिस ने शहडोल के थाना गोहपारू अंतर्गत ग्राम नवागांव से आरोपी दिवाकर मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के बैंक अकाउंट सीज करा दिए हैं। आरोपी दिवाकर मिश्रा ने शहडोल में भी कई युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाए जाने के नाम पर धोखाधड़ी की है। आरोपी के खिलाफ सोहागपुर थाने में भी केस दर्ज हैं।

फूंक मारते ही कर देते हैं बेहोश, हिंदू संगठनों ने शिकायत की

आरोपी बोला- पहले हिंदू था, क्रिश्चियन धर्म अपनाया तो बीमारी ठीक हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति पर धर्म परिवर्तन और अंधविश्वास का लालच देकर ठगने का आरोप लगा है। इसके लेकर मंगलवार रात करीब 11 बजे बजरंग दल और हिंदू संगठन थाने पर पहुंचकर घेराव किया। साथ ही थाना प्रभारी राकेश बेस को आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

दरअसल, बाबूलाल जायसवाल निवासी बहरी का लोगों का इलाज करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। एक फूंक मारकर लोगों को बेहोश कर देते हैं। साथ ही पीड़ितों की सारी परेशानियों को दूर कर देते हैं। ऐसा खुद बाबूलाल जायसवाल दावा करते हैं। हालांकि, लोगों का कहना है कि बाबूलाल जायसवाल क्रिश्चियन धर्म अपनाने के लिए लोगों को मजबूर करता है। अंधविश्वास का लालच देकर ठगने का काम भी करते हैं। इसके साथ ही लोगों के पैसे भी ऐंठते हैं। मामले को लेकर ही 19 नवंबर रात 11 बजे करीब 30 की संख्या में बजरंग दल और हिंदू संगठन बहरी थाने पर पहुंचा। जहां थाने का घेराव करते हुए थाना प्रभारी राकेश बेस को ज्ञापन सौंपा। साथ ही चेतवानी दी है, अगर बाबूलाल जायसवाल के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होती है, तो हम उग्र आंदोलन करेंगे।

एक फूंक मारकर लोगों को ठीक करने का दावा: वहीं मामले को लेकर बजरंग दल के विभाग संयोजक शैलेंद्र सिंह चौहान ने कहा- बाबूलाल जायसवाल सिर्फ एक फूंक मारने से लोगों को बेहोश कर देते हैं। बड़े-बड़े असाध्य रोगों को वह सिर्फ छूकर ठीक कर देते हैं। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसके बाद हम लोगों ने जांच की और पता चला, वह क्रिश्चियन धर्म अपनाने के लिए लोगों को बाधित करते हैं। जिसकी शिकायत भी लोगों ने हमसे की थी। जिसके बाद हम लोगों ने पहले उन्हें जाकर समझाना चाहा, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद हम लोगों ने कल बीती रात में थाने में पहुंचकर सारी घटनाक्रम की जानकारी थाना प्रभारी को दी है और कार्यवाही की मांग की है।

पहले हिंदू था, जब क्रिश्चियन धर्म अपनाया तो मेरी बीमारी ठीक हो गई: बाबूलाल जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि मैं पहले हिंदू हुआ करता था। मेरी बीवी बीच रास्ते पर बेहोश हो जाती थी, उसे पता नहीं कौन सी बीमारी थी। इसके अलावा मेरी कमर पर बहुत ज्यादा दर्द होता था और मैं ठीक से चल नहीं पाता था। लेकिन फिर मैं क्रिश्चियन धर्म अपनाया और उसके बाद अब मैं ठीक हूं। अब मैं यीशु मसीह के आदेश पर लोगों को भी ठीक कर रहा हूं। मैं कोई गलत काम नहीं कर रहा हूं और ना ही मैं क्राइम कर रहा हूं. अगर मैं गलत कर रहा हूं तो मेरे ऊपर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

थाना प्रभारी राकेश बेस ने कहा- हिंदू संगठनों के द्वारा थाने में आकर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं और जो नियम अनुसार होगी उसमें कार्यवाही की जाएगी।

आजीविका मिशन तथा मध्यांचल बैंक के मध्य समन्वय बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली कार्यालय में मध्यांचल ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक महोदय एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक महोदय की उपस्थिति में 19 नवंबर को विकास खण्ड कुसमी एवं मझौली के विकास खण्ड प्रबंधक के साथ-साथ सहायक विकासखंड प्रबंधक एवं मध्यांचल ग्रामीण के शाखा प्रबंधक के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्यांचल ग्रामीण बैंक की शाखाओ में समूह सीसीएल वितरण में आने वाली समस्याओं के संबंध में चर्चा की गयी, एवं भविष्य में सीसीएल वितरण की प्रगति में तेजी लाने के लिए कार्य योजनाएं बनाई गई जिससे अधिक से अधिक सीसीएल का वितरण समय पर सुनिश्चित हो सके।

विचार

कांग्रेस की वास्तविक मंशा जाहिर

भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। चाहे जिस कारण से या जिस नारे की वजह से हुआ हो लेकिन यह वास्तविकता है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा का चुनाव हिंदू एकजुटता और देश की एकता व अखंडता के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। भाजपा विरोधी पार्टियों और कुछ सहयोगियों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दो नारों का इतनी बार जिक्र किया या इतनी तरह से व्याख्या कर दी कि आम लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ गई कि अगर एक नहीं रहे तो आने वाले समय में मुश्किल होगी। उनको यह बात समझ में आई है कि देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है, कई राज्यों में हिंदू पहले ही अल्पसंख्यक हो गए हैं, कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने की ओर बढ़ रहे हैं, घुसपैठ की वजह से राज्यों में आदिवासी व दलित आबादी तेजी से घट रही है, व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है और चुनाव का असली प्रश्न %रोटी, बेटी और माटी' का है। इस क्रम में कांग्रेस और जेएमएम जैसी घनघोर तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों के साथ साथ श्री उद्धव ठाकरे की राजनीति भी एक्सपोज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे़ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नारे %बंटेंगे तो कटेंगे' का विरोध करते हुए इतने भवावेश में आ गए कि उन्होंने कह दिया कि यह साधु की नहीं, बल्कि आतंकी की भाषा हो सकती है। उनका यह बयान इतना तल्ख और संदर्भ से बाहर का था कि मुख्यमंत्री को भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि मल्लिकार्जुन खडगे़ बार बार कहते हैं कि जब वे छोटे थे तभी उनकी मां और बहन सहित परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों को जला कर मार दिया गया था। लेकिन आज तक उन्होंने बताया नहीं कि किसने उनकी मां को जलाया था। यह बड़ा सवाल है, जिससे इतिहास के एक ऐसे अध्याय का खुलासा होता है, जो देश और समाज के माथे पर कलंक की तरह है? असल में हैदराबाद निजाम के सेना में शामिल रजाकारों ने उनकी मां और बहन को जला कर मार डाला था। खडगे़ के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंका खडगे़ ने इशारों इशारों में एक बार इसका जिक्र किया था। असल में देश की आजादी तय होने के बाद हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय रजाकारों ने वहां की हिंदू आबादी पर और खास कर दलितों पर बड़े अत्याचार किए थे। वे जोर जबरदस्ती दलितों को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य कर रहे थे। लेकिन खडगे़ की मां और परिवार के दूसरे सदस्य बहादुर थे, जिन्होंने मर जाना कबूल किया लेकिन इस्लाम नहीं अपनाया।

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

सुरेश हिंदुस्तानी

अमेरिका में रिपलिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रप की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रप ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए।

इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है।

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुन: राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुन: आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

मणिपुर के सुलगते हालात

अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम नाकामियों के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। मणिपुर में हफ्ते भर के अंदर जैसी हिंसा हुई है, उनसे यह सहज सवाल उठता है कि क्या इस राज्य पर किसी का नियंत्रण नहीं है? वारदात ने जैसा मोड़ लिया है, उससे भविष्य के लिए गहरी आशंकाएं पैदा होती हैं। सोमवार को कुछ उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरोदोर कारोंग में पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की। सुरक्षा बलों की वर्दी में आए इन उग्रवादियों ने एक सीआरपीएफ कैंप पर भी निशाना साधा। साथ ही उग्रवादियों ने पास के मार्केट में गोलीबारी की, कई दुकानों को जला डाला और कुछ मकानों को भी निशाना बनाया।

उसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उनके मुताबिक उनकी कार्रवाई में दस उग्रवादी मारे गए। जबकि कुकी-जो काउंसिल का दावा है कि मारे गए लोग ग्रामीण स्वयंसेवक थे। हमार स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दावा किया है कि 11 हमार ग्रामीण स्वयंसेवकों को मार डाला गया है। कुकी-जो काउंसिल ने उस इलाके में मंगलवार को दिन भर के बंद का आह्वान किया है। साफ है, स्थिति सुलगी हुई है। पिछले हफ्ते जैरोन गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में एक महिला की जान गई थी और कई घर जला डाले गए थे। गौरतलब है कि इम्फाल घाटी में जारी हिंसा से लगभग साल भर तक जिरीबाम जिला अछूता रहा था। लेकिन गुजरे जून में एक किसान का शव मिलने के बाद से यह भी चपेट में आ चुका है। सबसे अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम संदिग्ध भूमिकाओं के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों सीटों पर सत्ताधारी दल को पराजित कर जनता ने जो संदेश दिया, उससे भी सुनने या समझने का प्रयास केंद्रीय नेतृत्व ने नहीं किया। इससे धारणा बनी है कि मणिपुर के ताजा हालत सिर्फ प्रशासनिक नाकामी और अकुशलता का परिणाम नहीं हैं। शक गहराया है कि इसके पीछे अवांछित राजनीति की भूमिका भी हो सकती है। इसके हानिकारक परिणाम हमारे सामने हैं। उधर स्थितियां और भी खतरनाक मोड़ लेती दिख रही हैं।

बाल अधिकारों की रक्षा में कहां खड़ा है संसार

डॉ. रमेश ठाकुर

समूचे संसार में आज 'विश्व बाल दिवस' का 70वां संस्करण मनाया जा रहा है। स्थापना सन् 1954 में हुई थी जो प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के मकसद से विश्व भर में बच्चों के बीच जागरूकता लाने तथा नौनिहालां की आर्थिक दशा सुधार कल्याण में बदलाव लाने के लिए मनाया जाता है। ये दिवस बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान देने पर केंद्रित होता है। हाल वक्त में, बच्चों पर बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं से मुकाबले के लिए हम सभी को गहरी नींद से जगाने का काम भी करता है ये आज का खास दिन। बाल रक्षा के क्षेत्र में जागरूकता फैलाना किसी एक मुल्क की जिम्मेदारी नहीं, सभी की है। इसलिए सामुहिक प्रयासों से ही थम पाएगी ये समस्या।

विश्व बाल दिवस-2024 की थीम है हर बच्चे के लिए, हर अधिकार जो ये सुनिश्चित करने के प्रयासों का आह्वान करता है कि विश्व के सभी बच्चों को उनके मौलिक अधिकार प्राप्त हों, जिसमें शिक्षा, भोजन, आवास, स्वच्छता और हानिकारक काम से सुरक्षा का अधिकार मिले। शुरूआती बाल शिक्षा में अफगानिस्तान जैसे मुल्क बहुत पिछड़ गए हैं। हिंदुस्तान के दूर-दराज क्षेत्रों में भी हालात चिंतनीय हैं। कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न हो, इसके लिए आज सभी को संकल्पित होना चाहिए। भारत में बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है जो पिछले सप्ताह की संपन्न हुआ। भारत में ये दिवस पूर्व प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है।

तब भी बाल अधिकारों की रक्षा के लिए सभी हिंदुस्तानियों को जागरूक किया जाता है। जबकि, चिंताएं पूरे संसार के बच्चों की कि जाती हैं, चिंताएं करनी भी चाहिए, क्योंकि हालात सभी देशों में एक समान ही हैं।

बाल अधिकारों की रक्षा में विश्व का अभियान आज कहां खड़ा है। 'विश्व बाल अधिकार रक्षक अभियान' में कितनी तरक्की हुई और कहां-कहां रहीं खामियां? इन सभी बातां-तथ्यों की समीक्षा करने की सामूहिक रूप से विश्व को जरूरत है। क्योंकि किसी अभियान को 70 वर्ष निरंतर चलते रहना अपने आप में बड़ी बात होती है। सबसे पहले साल 1959 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन के तौर पर अपनाया। फिर 20 नवंबर को ही बच्चों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की वर्षगांठ हुई। उसके बाद आज के दिन को बाल दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय हुआ। यूनिसेफ जैसे विश्व विख्यात यूनिट बाल कल्याण के क्षेत्र में कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन बच्चों के अधिकारों के लिए कार्यरत हैं। बच्चे के मुकम्मल अधिकार सुरक्षित हों, उन्हें उनका अधिकार आसानी से मिले को ध्यान में रखकर ही यूनिसेफ से इस समय 198 देश जुड़े हुए हैं। बाल संरक्षण की दिशा में यूनिसेफ का कार्य सराहनीय है।

विश्व बाल दिवस पूरे संसार में बड़े उत्सव से मनाया जाता है जिसमें बच्चों को ढेर सारा स्नेह, उपहार और लाड-प्यार लोग देते हैं। क्योंकि बच्चे कल के भविष्य हैं और अपने-अपने मुल्क के धरोहर समान भी हैं। पर, दुर्भाग्य ये है कि बच्चों का बचपन मौजूदा वक्त में कोई एक नहीं, बल्कि तमाम सारी किस्म-किस्म की समस्याओं से घिरा पड़ा है। बाल मजदूरी से लेकर बाल तस्करी जैसे कलंक से पूरा संसार आहत है। कोई ऐसा मुल्क नहीं जहां बच्चे रोजाना हजारों की संख्या में गायब न होते हों? यूनिसेफ की माने तो संसार में सालाना 5 लाख से अधिक बच्चे लापता होते हैं। भारत का आंकड़ा तो और भी डरावना है, जहां हर साल करीब 96,000 हजार बच्चे गायब होते हैं। भारत गायब बच्चों खोजने और इस समस्या पर रोक के लिए हर कोशिश कर रहा है। ये समस्या न सिर्फ भारत में रूके, बल्कि समूचा विश्व भी इस चुंगल से बाहर निकले, को ध्यान में रखकर ही आज का विशेष दिवस मनाया जाता है। हालांकि, इस दिशा में उठाए गए ईमानदारी वाले कदम के चलते सफलता मिली हैं। पर, जितनी मिलनी चाहिए उतनी मिली नहीं? तय टारगेट तक कोई देश अभी तक नहीं पहुंच पाया। पूरे संसार में 'बाल तस्करी' अब वैश्विक समस्या बन चुकी है। इसलिए आज का दिन दुनिया भर के बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को संकल्प लेने पर विवश करता है। नौनिहालों के सुधारों की वकालत और उनके अधिकारों की रक्षा करना, मदद करना और चैरिटी करने की भी प्रेरित करता है। बच्चों के अधिकारों में भेदभाव से मुक्ति, पारिवारिक जीवन का अधिकार और हिंसा से सुरक्षा करने के लिए जागरूक करता है। हालांकि, विगत कुछ वर्षों में बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने में विश्व में अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन बावजूद इसके कई चुनौतियां अभी भी बहुतेरी बरकरार हैं। इन चुनौतियों में हिंसा, दुर्व्यवहार, शोषण, भेदभाव, ग़रीबी, संघर्ष और ज़रूरी सेवाओं का न मिलना शामिल है।

23 को रावत नाच महोत्सव, सीएम साय करेंगे 25.17 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

मल्टीलेवल पार्किंग, मिनी स्टेडियम बनकर तैयार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 23 नवंबर को बिलासपुर में संभाग के सबसे बड़े रावत नाच मोहत्सव में शामिल होंगे। इस दिन सीएम साय शहर को स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 25 करोड़ 17 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसमें सिटी कोतवाली में मल्टीलेवल पार्किंग के साथ ही दयालबंद में मिनी स्टेडियम शामिल हैं।

सीएम के प्रवास को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। नवनिर्मित मिनी स्टेडियम में बचे कार्यों के साथ ही संजय तरण पुस्कर में बन रहे स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में तेजी से काम चल रहा है। इधर, कलेक्टर अवनीश शरण ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम की तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ निगम कमिश्नर अमित कुमार भी शामिल थे।

कलेक्टर बोले- वाहन पार्किंग की समस्या होगी दूर: कलेक्टर ने सिटी कोतवाली के समीप मल्टी लेवल पार्किंग, दयालबंद में मिनी स्टेडियम एवं संजय तरण पुष्कर में स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निरीक्षण किया। मल्टी लेवल पार्किंग में ग्राउण्ड फ्लोर पर 46 दुकान और तीन मंजिला पार्किंग 270 चार पहिया वाहन एवं 200 मोटर बाईक के पार्किंग की व्यवस्था है। इसके शुरू होने से शहर के व्यस्ततम इलाके में वाहन पार्किंग की समस्या दूर हो जाएगी। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 25 करोड़ 17 लाख की लागत से इसका निर्माण किया गया है।

दयालबंद स्थित मिनी स्टेडियम में आउटडोर एवं इण्डोर दोनों तरह के स्पोर्टस की सुविधा है। लगभग 22 करोड़ की लागत से निर्मित इस स्टेडियम में क्रिकेट, बेडमिन्टन, टेबल टेनिस, स्नूकर, स्क्वेश और जिम की सुविधा मिलेगी। इसी तरह संजय तरण पुष्कर में 12 करोड़ की लागत से स्पोर्टस कम्पलेक्स तैयार किया गया है। उन्होंने स्मार्ट सिटी और डीएमएफ से निर्मित मिनोचा कॉलोनी सड़क एवं संकरी सड़क का भी निरीक्षण किया।

सिटी बस स्टैंड का भी किया निरीक्षण: कलेक्टर ने कोनी में सिटी बस स्टैण्ड का भी अवलोकन किया। निगम को मिलने वाली 50 इलेक्ट्रिक सिटी बसें यहीं से संचालित होगी। उन्होंने सुरक्षित रखने के लिए उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने तिफरा रैन बसेरा की तरह यहां पर भी यात्रियों के लिए एक रैन बसेरा बनाने के निर्देश दिए ताकि गरीब यात्री यहां ठहर सकें। कलेक्टर ने रिवर फ्रन्ट व्यू के सौंन्दर्यीकरण कार्य को भी देखा और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने शहर के प्रवेश द्वार-लालखदान और सीपत मार्ग का अवलोकन किया और इनकी साफ सफाई एवं डिवाईडर के रंगरोगन करने के निर्देश दिए।

23 को रावतनाच महोत्सव में शामिल होंगे सीएम साय: देवउठनी एकादशी के साथ ही जिले रावतनाच महोत्सव शुरू हो गया है। मुख्य उत्सव लाल बहादुर शास्त्री मैदान में 47 सालों से हो रहा है। यह आयोजन 23 नवंबर को होगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। हर साल की तरह इस महोत्सव का क्रेज बढ़ता जा रहा है। दलों की संख्या हर बार बढ़ रही है। इसमें जिले के साथ ही संभाग भर से नर्तक दल शामिल होंगे। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। यह आयोजन रात भर चलेगा।

मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में (सीओपीडी) जागरूकता की क्रांतिकारी पहल: महेन्द्र सिंह मरपच्ची

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। विश्व सीओपीडी दिवस की शुरुआत 2002 में ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव लंग डिजीज दत्तह्स्छ्ड्ड द्वारा की गई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके रोकथाम, प्रबंधन तथा इलाज को बढ़ावा देना है। यह दिवस हर साल नवंबर के तीसरे बुधवार को मनाया जाता है, और इसका उद्देश्य सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और आम जनता के बीच संवाद स्थापित करना है, ताकि इस बीमारी से होने वाली मृत्यु और पीड़ा को कम किया जा सके। इस दिन विशेष रूप से श्वसन स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो सीओपीडी के मुख्य कारण हैं।

सीओपीडी के खिलाफ समग्र प्रयास: छत्तीसगढ़, जो अपनी प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी एक नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ में सीओपीडी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, जो मुख्य रूप से वायु प्रदूषण, तंबाकू सेवन और परंपरागत चूल्हों के धुएं से उत्पन्न होती है। खासकर राज्य के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। एमसीबी जिला जो कोयला खनन और औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, प्रदूषण और सांस संबंधी बीमारियों का केंद्र बन चुका है। इन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यहां सीओपीडी और अन्य श्वसन संबंधित रोगों के इलाज के लिए आधुनिक चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन चलाई जा रही हैं, जो प्राथमिक चिकित्सा और स्क्रीनिंग सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। राज्य सरकार ने कोयला खनन और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अग्रणी भूमिका: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार किए हैं। उनके प्रयासों से राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सीओपीडी और सांस संबंधी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके परिणामस्वरूप जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती, अस्पतालों में उपकरणों का उन्नयन और चिकित्सा कर्मियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का क्रांतिकारी नेतृत्व: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ के विकास में स्वास्थ्य को केंद्रीय भूमिका दी है। उनके नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ, जिससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए पर्यावरण-अनुकूल नीतियों को लागू किया और एलपीजी कनेक्शन वितरण के जरिए ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया है।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देखा है। विशेष रूप से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सीओपीडी की रोकथाम और स्वास्थ्यकर आदतों को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयास न केवल राज्य के लिए, बल्कि देशभर के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 की मौत, राहगीरों ने दी पुलिस को सूचना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर गए। वे बुरी तरह घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे राहगीर ने लाश देखी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मामले में आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। घटना अभनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, अभनपुर-धमतरी मार्ग में सातपारा गांव के पास बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। मृतक थुहा बंगोली गांव निवासी भूपेंद्र कुर्रे और किशोर कुर्रे है। वे दोनों बाइक में सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

आरोपी गिरफ्त से बाहर: आसपास से गुजर रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

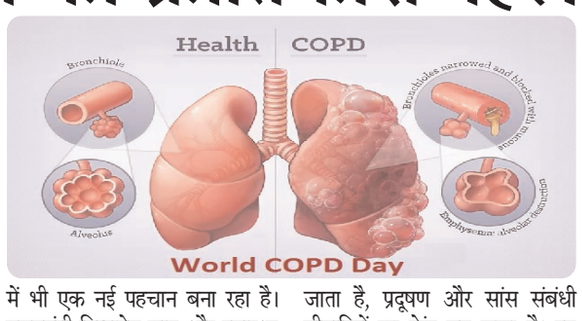

स्पेशल ओलंपिक में सिमरन पुजारा का सिलेक्शन
उपराष्ट्रपति ने किया शुभारंभ, भारत समेत 12 देश के एथलीट्स ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में मंगलवार को बौद्धिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए खेलों को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय महासंघ स्पेशल ओलंपिक का आगाज हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की मौजूदगी में इसका शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में बिलासपुर की सिमरन पुजारा देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इसके साथ ही 12 देशों के 100 से अधिक एथलिट आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं।

स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर पहला इवेंट है। इसमें 22 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बौद्धिक और विकासात्मक विकलांगता (आईडीडी) वाले एथलीट हिस्सा लेते हैं। दिल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम 19 से 22 नवंबर तक चलेगा।

छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी कर रहे प्रतिनिधित्व: कॉम्पिटिशन में छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी भी शामिल हो रहे हैं। इसमें बिलासपुर की सिमरन पुजारा और रायपुर के इभानन साहू शामिल हैं। इस ओलंपिक में दोनों बच्चे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यहां देश के 16 बच्चों की टीम का सलेक्शन किया गया है।

जल जीवन मिशन से फूल बाई बैगा हुई लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के पाराडोल के छोटे से गांव बैगापारा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव किया है। वर्षों से स्वच्छ पेयजल की कमी से जूझ रहे इस गांव के लोग आज जल जीवन मिशन द्वारा नल-जल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ और सुगम पेयजल का लाभ उठा रहे हैं। इस परिवर्तन की धुरी बनी हैं बैगापारा की निवासी फूल बाई बैगा, जिनकी कहानी इस मिशन की सफलता का प्रतीक बन गई है।

गांव में वर्षो तक रही पानी की समस्या: बैगापारा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में लंबे समय तक स्वच्छ पानी की व्यवस्था न होने के कारण लोग प्राकृतिक जल स्रोतों और छोटे मोटे कुओं पर निर्भर थे। इन स्रोतों की स्वच्छता और उपलब्धता अक्सर अनियमित रहती थी, जिससे जल जनित बीमारियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम थी। महिलाओं और बच्चों को पानी भरने के लिए घंटों लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन भी प्रभावित होता था।

जल जीवन मिशन का शुभारंभ और बदलाव का सफर: 01 अप्रैल 2024 को जल जीवन मिशन के तहत बैगापारा में नल-जल आपूर्ति के प्रयास शुरू किए गए। सरकार ने गांव के हर घर को 100 प्रतिशत एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन) से जोड़ने का लक्ष्य रखा। 18 नवंबर 2024 तक बैगापारा के प्रत्येक घर को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी परिवारों को निजी स्रोतों के जरिए स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति हो।

स्वच्छ पानी ने बदली ग्रामीणों की जिंदगी: जल जीवन मिशन के प्रभाव ने बैगापारा के लोगों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाया है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। महिलाओं और बच्चों का समय और श्रम बचत होती है, वे लोग अपना समय अब शिक्षा, खेती और अन्य उत्पादक कार्यों में लगा रहे हैं। स्वच्छ पेयजल ने जल जनित बीमारियों की घटनाओं को काफी हद तक कम कर दिया है। फूलबाई बैगा ने इस योजना का व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाया और इसे ग्रामीणों के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह पहल हमारे जैसे गांवों को आत्मनिर्भर और स्वस्थ बना रही है।

छत्तीसगढ़ से डायरेक्ट जा सकेंगे सिंगापुर और दुबई

रायपुर एयरपोर्ट बनेगा कार्गो हब, बिहार और झारखंड के लिए भी शुरू होगी हवाई सेवा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधे फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही इंटरनेशनल हवाई सेवा शुरू करने को लेकर अपनी सहमति जताई है। रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब डेवलप करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट से पटना और रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है। सीएम विष्णुदेव साय ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से छत्तीसगढ़ की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत करने और रीजनल एयरपोर्ट को डेवलप करने के लिए चर्चा की।

छत्तीसगढ़ के इकोनॉमिक डेवलपमेंट को मिलेगा बढ़ावा: बैठक के दौरान सीएम साय ने चर्चा में बताया कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं। प्रदेश में इंटरनेशनल पैंसेजर ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की जरूरत है। इन रुट पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यवसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी।

रायपुर एयरपोर्ट को केंद्रीय कार्गो हब में डेवलप करने का प्रस्ताव: मुख्यमंत्री साय ने बैठक में राज्य में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी दी। रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में डेवलप करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के ट्रासपोर्टेशन को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू होगी नाइट लैंडिंग की सुविधा: वहीं बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3सी आईएफआर कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा। रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने का अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

तीर्थ स्थलों के लिए सीधे फ्लाइट की मांग की: मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर, वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी फायदा होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मिलेगी मदद: बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी।

जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस की संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद है। इसे फिर से सही समय पर शुरू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस मार्ग पर हवाई कनेक्टिविटी की मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कई प्रस्तावों पर आश्वासन दिया है।

अवैध धान परिवहन एवं भण्डारण को रोकने जिला प्रशासन का करें सहयोग: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 14 नवम्बर 2024 से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया है, 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगा। इस परिपेक्ष्य में अवैध धान संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार के द्वारा भौतिक निरीक्षण व सत्यापन किया गया। जिसमें कुछ किसानों के द्वारा कटवाये गये टोकन में धान की मात्रा एवं उपलब्ध धान की मात्रा कम पाई गई। तहसील केल्हारी के सेमरिया गांव के किसान पन्नालाल का पंजीकृत रकबा 1.35 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 70 क्विंटल तथा निरीक्षण में 40 क्विंटल पाया गया। मनवारी गांव के किसान योगेन्द्र का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। इसी प्रकार केल्हारी गांव के किसान विवेक सिंह का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। सभी जगह भौतिक सत्यापन के दौरान 12 क्विंटल प्रति एकड़ अनुमानित उपज पाया गया। उक्त किसानों द्वारा स्वयं आप किसान पोर्टल/टोकन तुहंर द्वार के माध्यम से काटा गया। टोकन की मात्रा एवं वास्तविक उत्पादन में कॉफी अंतर है। जिले के कई गांव सीमावर्ती होने के कारण अवैध धान जिले के अंदर आने की संभावना है। इसे रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। जिले के किसान, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया से आग्रह है कि अवैध धान के परिवहन एवं भण्डारण को रोकने हेतु सहयोग करें।

झाड़फूंक करते बिगड़ी छात्रा पर नीयत

नाबालिग को भगा ले गया तांत्रिक, किया दुष्कर्म, शादी के लिए फर्जी दस्तावेज भी बनाए

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में नाबालिग छात्रा को भगाकर ले जाने और रेप के आरोपी तांत्रिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बलरामपुर जिले में सिधमा धाम बनाया है। जहां वह झाड़फूंक से गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करता है।

छात्रा अपनी मां और दीदी के साथ इलाज के लिए आरोपी बाबा के धाम जाती थी, जहां उनका परिचय हुआ। इस दौरान बाबा की नीयत छात्रा पर बिगड़ गई।

14 की उम्र को बताया 24, बनाया अनुबंध पत्र: ढोंगी बाबा ने छात्रा के आधार कार्ड में जन्मतिथि से छेड़छाड़ कर स्टांप के जरिए शादी का अनुबंध पत्र भी बनवाया था। छात्रा की उम्र 14 साल है और अनुबंध पत्र में उसकी उम्र 24 साल बताई गई है।

जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में अपने भैया-भाभी के साथ रहकर 10वीं क्लास में पढ़ रही छात्रा 25 अक्टूबर को स्कूल की छुट्टी के बाद गायब हो गई थी। छात्रा के पिता की रिपोर्ट पर कोतवाली अंबिकापुर पुलिस ने अपराध दर्ज किया था।

परिजनों ने छात्रा को बलरामपुर के सिधमा निवासी मिट्ठू राम द्वारा भगाकर ले जाने की जानकारी दी थी।

3 साल पहले हुए थी पहचान: कोतवाली पुलिस ने गुमशुदा छात्रा को बलरामपुर के सिधमा से बरामद किया। महिला अधिकारी के समक्ष दिए गए बयान में छात्रा ने बताया कि उसकी जान-पहचान मिट्ठू राम से करीब 3 साल पहले हुई थी। वह अपनी मां और दीदी के साथ मिट्ठू राम के धाम में इलाज कराने के लिए गई थी। मिट्ठू राम से करीब एक साल से प्रेम संबंध था। मिट्ठू राम उसे शादी करने का झांसा देकर भगा ले गया था।

शादी के लिए स्टांप में किया अनुबंध: मिट्ठू राम ने छात्रा का फर्जी आधार कार्ड तैयार कराया, जिसमें जन्मतिथि बदलकर उसे बालिग बता दिया गया। जन्म प्रमाणपत्र में भी जन्मतिथि बदलकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र तैयार किया गया। इस आधार कार्ड के आधार पर मिट्ठू राम ने नाबालिग छात्रा से शादी का अनुबंध पत्र स्टांप में तैयार कराया। मिट्ठू राम छात्रा को अपने घर ले गया और रेप किया।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार: एएसपी सरगुजा अमोलक सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में धारा 87, 64(2) (एम), 55, 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोड़कर मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्ट्रीट डॉग की मौत पर बवाल

पशु प्रेमी बोले- जहर देकर मारा, पुलिस ने कराया पोस्टमॉर्टम, सीसीटीवी वीडियो भी खंगाल रही

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में दो स्ट्रीट डॉग की संदिग्ध मौत को लेकर बवाल मच गया। पशु प्रेमियों का आरोप है कि कालोनी के लोगों ने कुत्तों को जहर देकर मार दिया है। मामला थाना पहुंचने पर पुलिस ने कुत्तों का पोस्टमार्टम कराया है। इसके साथ ही जांच के लिए सीसीटीवी वीडियो भी खंगाल रही है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

अज्ञेय नगर कॉलोनी में रहने वाले पशु प्रेमी स्ट्रीट डॉग की देखभाल करते हैं। उन्हें फीडिंग तक कराते हैं। तो वही कुछ लोग उन्हें कॉलोनी से बाहर करना चाहते हैं। इसके चलते उनका अलग-अलग गुट बन गया है। जिसके चलते आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है।

दो कुत्तों की संदिग्ध मौत पर मचा बवाल: कॉलोनी के लोगों का विवाद 16 नवंबर को दो स्ट्रीट डॉग की संदिग्ध मौत के बाद फिर से शुरू हो गया है। पशु प्रेमियों का आरोप है कि कुत्तों को जहर देकर मारा गया है। आरोप है कि एक दिन पहले हुए विवाद के बाद किसी ने कुत्तों को जहर दे दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पशु प्रेमियों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों डॉग का पोस्टमार्टम कराया है। जिसकी रिपोर्ट 20 नवंबर तक देने का दावा किया जा रहा है।

कॉलोनी में घूमते दिख रहे हैं दोनों डॉग: पुलिस ने विवाद के बाद कॉलोनी में लगे सीसीटीवी वीडियो की जांच की, जिसमें पुलिस को घटना के एक दिन पहले दोनों डॉग कॉलोनी में घूमते नजर आ रहे हैं। टीआई प्रदीप आर्या का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही डॉग के मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

पिछले चार साल से स्ट्रीट डॉग को लेकर विरोध: दरअसल, कॉलोनी में चार साल से स्ट्रीट डॉग का विरोध चल रहा है। कालोनी के कुछ लोगों का कहना है कि स्ट्रीट डॉग से बच्चों को खतरा बना रहता है। इसके कारण कॉलोनी के बच्चों को खेलने में दिक्कत होती है। जिसके कारण वो लोग स्ट्रीट डॉग को कॉलोनी से बाहर कराने का प्रयास करते रहे हैं। वहीं, कालोनी के पशु प्रेमी उनकी सुरक्षा के लिए खड़े रहते हैं। यही वजह है कि उनके बीच आए दिन विवाद की स्थिति बनी रहती है।

भाजपा महासचिव पर पैसे बांटने का आरोप, एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से एक दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप लगा है। विवाद तब शुरू हुआ जब बीवीए अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर और उनके बेटे क्षितिज मंगलवार 19 नवंबर विरार के होटल पहुंचे। यहां तावड़े नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर रहे थे। बहुजन विकास अघाड़ी ने आरोप लगाया कि तावड़े 5 करोड़ रुपए लेकर होटल पहुंचे थे और यहां वोटर्स को पैसे बांटे जा रहे थे। होटल में भाजपा और बीवीए कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प हुई। होटल में हुए हंगामे के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में कुछ लोग हाथों में नोट लिए दिखाई दे रहे हैं। एक युवक डायरी लिए हुए है। आरोप है कि इसी डायरी में पैसों का लेखा-जोखा है। विपक्ष के आरोप के बाद चुनाव आयोग ने विनोद तावड़े और नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ स्ट्रक्रदर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग के अफसरों ने तावड़े के कमरे से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इतना कहा है कि कुछ सीज किया गया है।

समेत 7 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर (एजेंसी)। देश में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और बिहार में एक-दो दिन घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सीकर के फतेहपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भरतपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रह गई। हालांकि देश में सबसे कम विजिबिलिटी (जीरो मीटर) आगरा में दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां आने वाले कुछ दिनों में कोहरा बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में भी भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया में घना कोहरा देखने को मिला। इससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि पहाड़ों में बर्फबारी के कारण एमपी में ठंड बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। सोनमर्ग में सोमवार शाम से शुरू हुई बर्फबारी मंगलवार सुबह भी जारी रही। इस कारण पूरे उत्तर भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तमिलनाडु के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। राज्य कई जिलों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि वेदारण्यम में सबसे ज्यादा 17.5 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई। उसके बाद कोडियाकराई में 13.4 सेमी बारिश हुई। तिरुवरुर में भी भारी बारिश हुई। थिरुथुराईपोंडी में सिर्फ दो घंटों में 7 सेमी बारिश दर्ज की गई। तंजावुर में पट्टुकोट्टई क्लॉक टॉवर और बस स्टेशन सहित कई जगहों पर पानी भर गया।

दिल्ली में एक्यूआई -500 तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण बेहद खतरनाक लेवल पर बना हुआ है। मंगलवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली का औसत एक्यूआई 494 रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन में सर्वाधिक है। यानी राजधानी में आज सीजन की सबसे खराब हवा रही। दिल्ली-एनसीआर के 10वीं तक के स्कूल पहले ही ऑनलाइन कर दिए गए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद 11वीं-12वीं की क्लासेस भी ऑनलाइन चलाने का आदेश दे दिया गया। वहीं, डीयू, जेएनयू और जामिया के कॉलेजों की क्लासेस 4 दिन तक वर्चुअल मोड पर चलेंगी। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने 18 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में बदला हुआ ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का चौथा फेज लागू कर दिया है।

उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप और हमारे जीवन मूल्य विषय पर चर्चा और विचार-विमर्श सम-सामयिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत का अतीत गौरवशाली रहा है और भारत प्राचीनकाल से ही वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा का मुख्य केन्द्र रहा। कई देशों के विद्यार्थियों, राजकुमारों ने तक्षशिला, नालंदा जैसे भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की। लेकिन ऐतिहासकि रूप से हमें ऐसा कोई उल्लेख प्राप्त नहीं होता, जिसमें भारत में शिक्षा ग्रहण किए किसी व्यक्ति अथवा सत्ताधीश ने अन्य राज्य पर आक्रमण किया हो। यह तथ्य प्राचीन काल से चली आ रही हमारी शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ जीवन मूल्यों और नैतिक मूल्यों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को होटल ताज में एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक के 17वें सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतीत से वर्तमान की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के कारण हुई मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप

और हमारे जीवन मूल्य विषय पर आयोजित यह सम्मेलन सम-सामयिक महत्व का है। अतीत से लेकर वर्तमान तक की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के परिणाम स्वरूप ही घटित हुईं।

रामायण काल में रावण हो या महाभारत काल में कौरव, योग्यता और क्षमता में कोई भी कम नहीं था, लेकिन उनके जीवन मूल्य और नैतिक मूल्य उचित नहीं थे, इसी कारण उन्हें कभी सम्मान नहीं मिला और वे समाज में तथा इतिहास में सदैव नकारे गए। कर्ण की योग्यता अद्भुत थी, लेकिन उनकी दृष्टि, प्रतिशोध, जिद और नकारात्मक भाव ने उन्हें पतन की ओर अग्रसर किया। इसी प्रकार के उदाहरण हमें सोने की लंका बनाने वाले रावण के भी प्राप्त होते हैं। सभी प्रकार के वैभव और सामर्थ्य होने के बाद भी वे कभी स्वीकारे नहीं गए और नैतिक मूल्यों के आधार पर ही वनवासी श्रीराम ने उन्हें परास्त किया। अर्थात् यह नैतिक मूल्यों और जीवन मूल्यों की ही विजय थी।

प्रिंसिपल ने 18 छात्राओं के बाल काटे, सस्पेंड

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल ने देरी से आने पर 18 छात्राओं के बाल काट दिए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रिंसिपल ने नाराज होकर सजा के तौर पर बाल काट हैं। धूप में खड़ा करके पिटाई की। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर ने आरोपी प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है। आगे की जांच की जा रही है। जांच में आरोप सही पाए गए समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक बी. श्रीनिवास राव ने बताया कि यह घटना अल्लूरी सीतारामराजू जिले के जी मदुगुला में आवासीय स्कूल कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में 15 नवंबर को हुई थी, लेकिन सोमवार को सामने आई। इसके बाद डिपार्टमेंट ने आरोपी प्रिंसिपल यू साई प्रसन्ना के खिलाफ जांच की थी। उन पर लगे आरोप को सही पाया गया, जिसके बाद देर रात कलेक्टर ने निलंबन आदेश जारी कर दिए। मुजफ्फरपुर के बीबीगंज स्थित द्रोण पब्लिक स्कूल के शिक्षक ने अक्टूबर में छात्र की पिटाई की। जिसके बाद छात्र बेहोश हो गया। शिक्षक की पिटाई से छात्र के बाएं कान पर गहरा जख्म हुआ है। उसकी सुनने की क्षमता खत्म हो गई है।

इस मामले को लेकर छात्र के पता शिवरत्न कुमार ने सदर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाया है। हैरान करने वाली बात तो यह सामने आई है कि छात्र के बेहोश हो जाने के बाद भी स्कूल की तरफ से पेरेंट्स को सूचना नहीं मिली। मामले को लेकर पेरेंट्स ने पुलिस से शिकायत की। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

मणिपुर में मारे गए कुकी उग्रवादियों के समर्थन में प्रदर्शन

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के लिए न्याय की मांग करते हुए कुकी समुदाय लगातार प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार को भी जिरिबाम और चुराचांदपुर जिले में सैकड़ों लोगों ने 10 खाली ताबूत लेकर मार्च निकाला। मणिपुर पुलिस के अनुसार, पिछले हफ्ते जिरिबाम के बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन और पास के जकुराधोर में सीआरपीएफ कैंप पर वर्दीधारी उग्रवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके बाद सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दस संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। हालांकि कुकी समुदाय का कहना है कि वे लोग विलेज वॉलंटियर्स थे। यह रैली ज्वाइंट फिलैंथ्रोपिक ऑर्गनाइजेशन ने आयोजित की थी। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई इस रैली में सैकड़ों लोग हाथों में पोस्टर लिए शामिल हुए। इन पोस्टर्स पर मारे गए लोगों के लिए न्याय और पहाड़ी क्षेत्रों में अलग प्रशासन की मांग की गई थी। इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि पीएम मोदी को मणिपुर जाना चाहिए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि पीएम मोदी को राजनीतिक कौशल दिखाना चाहिए। वे जिद छोड़कर मणिपुर

जाएं, लोगों से विनम्रता से बात करें और उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को समझें। मणिपुर सरकार का प्रस्ताव पास- कुकी उग्रवादियों पर कार्रवाई हो सोमवार को सत्ताधारी एनडीए और नेशनल पीपुल्स पार्टी के 27 विधायकों की मीटिंग हुई। इसमें प्रस्ताव (रेजोल्यूशन) पास हुआ कि 7 दिन में कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाए। यह भी कहा कि जिरीबाम में 6 महिलाओं-बच्चों की मौत के लिए कुकी आतंकी ही जिम्मेदार हैं।

फिर शुरू होगी कैलाश मोनसरोवर यात्रा, भारत से मिलेगी सीधी उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ब्राजील के रियो डि जनेरियो शहर में मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के अनुसार,''दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन संबंधों में अगले कदमों पर केंद्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि

विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव-उप मंत्री तंत्र की एक बैठक जल्द ही होगी। दोनों पक्षों के बीच जिन कदमों को उठाने के बारे में चर्चा हुई उनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना, भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें और मीडिया आदान-प्रदान शामिल थे।

शाह बोले- भाजपा सरकार में देश में हिंसा घटी

गांधीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार पिछले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में 70 ब तक हिंसा कम करने में सफल रही है। कई सालों से इन तीनों इलाकों को बहुत अशांत माना जाता था, लेकिन पिछले 10 सालों की तुलना करने पर पता चलता है कि हमने उल्लेखनीय सुधार किया है। वे गुजरात के गांधीनगर में 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इंटर्नल सिक्योरिटी और क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं। ये कड़ी मेहनत और बेहतर कॉर्डिनेशन मांगते हैं। आने वाले 10 साल भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को

दुनिया में सबसे ज्यादा मॉडर्न, साइंटिफिक और तेज बनाने का समय है। 3 नए कानून- तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद स्ट्रक्रदर्ज होने की तारीख से तीन साल के भीतर लोगों को सुप्रीम कोर्ट स्तर से न्याय मिल सकेगा। नए कानूनों में टेक्नोलॉजी के सभी सिस्टम शामिल किए गए हैं। सुनिश्चित किया गया है कि टेक्नोलॉजी चाहे जितनी भी बदल जाए कानून में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

न्याय व्यवस्था- गृह मंत्रालय ने तीनों कानून लागू करने से पहले व्यापक तैयारी की थी। हमने कोर्ट, प्रॉसिक्यूशन (वादी पक्ष), पुलिस और जेल को जोड़ने की व्यवस्था की। एक तरह से अपराध से लेकर न्याय मिलने और जेल तक सभी कड़ियों को जोड़ने का काम किया।

इसके बाद मोदी सरकार ने कानून लागू किए। सरकार ने सुनिश्चित किया कि नागरिक सुरक्षा इनके केंद्र में रहे और लोग संवैधानिक अधिकारों का फायदा उठा सकें। हमने 60 अलग-अलग प्रावधानों में कोर्ट, प्रॉसिक्यूशन और पुलिस को टाइमलाइन के भीतर काम पूरा करने के लिए बाध्य करके न्याय व्यवस्था में गति लाने की कोशिश की है।

सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होंगे कार्यक्रम, शुरू की तैयारियां

बारां (एजेंसी)। राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 12 से 15 दिसम्बर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस संबंध में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने अधिकारियों से विभिन्न विभागों के विकास कार्यो पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने मिनी सचिवालय सभागार में वर्तमान सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 12 दिसम्बर को युवा सम्मेलन एवं रोजगार उत्सव का आयोजन होगा। इसके साथ ही जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ, प्रेस वार्ता एवं जिला दर्शन पुस्तिका का विमोचन, एक जिला एक खेल, एक जिला एक प्रजाति, एक जिला एक फल, एक जिला एक डेस्टिनेशन का शुभारंभ, नवीन युवा नीति, खेल नीति, कौशल नीति का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सीएमएचओ, जिला खेल अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को तैयारी करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि 13 दिसम्बर को किसान सम्मेलन का आयोजन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की द्वितीय किश्त जारी करने, किसानों को फव्वारा संयंत्रों मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, पशुपालकों के लिए 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान डीवीटी के माध्यम से हस्तांतरण, डेयरी बूथ का आवंटन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम शुरू होंगे।

हरियाणा विधानसभा में हुड्डा-ढांडा भिड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा का 4 दिवसीय सत्र मंगलवार (19 नवंबर) को समाप्त हो गया। सत्र के आखिरी दिन की कार्यवाही की शुरुआत में कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने चंडीगढ़ में नई विधानसभा का मुद्दा उठाया। उन्होंने पंजाब की आपत्तियों को गलत ठहराया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है।

इस पर स्पीकर हरविंदर कल्याण ने अरोड़ा को टोका। उन्होंने कहा कि यह 2 राज्यों का मामला है। इस पर सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए। वहीं सरकारी भर्ती पर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भिड़ गए। हुड्डा ने कहा कि राज्य के बेरोजगार युवा नौकरी के लिए दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं। यहां पीएचडी और एमफिल करने वाले चपरासी की नौकरी की लाइन में लगे हैं। इस पर ढांडा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने घंटे के हिसाब से लेक्चरर भर्ती किए, जिसे पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने खत्म किया। इस सेशन में जींद के जुलाना से पहली बार विधायक बनीं इंटरनेशनल रेसलर विनेश फोगाट गैरहाजिर रहीं। वह पहले वायनाड में प्रियंका गांधी का प्रचार करने गईं थी। इसके बाद महाराष्ट्र में प्रचार किया।

पहला दिन- सदन की शुरुआत राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के अभिभाषण से हुई। उन्होंने अपने अभिभाषण में शिक्षा, रोजगार और आवास को लेकर बड़ी घोषणाएं की।

उन्होंने कहा कि कॉमन पात्रता परीक्षा पास युवाओं को अगर एक साल में नौकरी नहीं मिलती है तो सरकार अगले दो साल तक 9 हजार रुपए की वित्तीय मदद देगी।

वहीं सरकार विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों में कार्यरत ग्रुप सी, डी की महिला कर्मचारियों को उनके मनचाहे जिले में तैनात करने के लिए नीति बनाएगी। इसके अलावा सीएम नायब सैनी ने कहा कि राज्य की नौकरियों में अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण लागू हो गया है।

मोदी जी ये 5 करोड़ किसकी सेफ से निकला है?, विनोद तावड़े के वीडियो को लेकर राहुल गांधी ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से जुड़े एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और प्रश्न किया कि ये पांच करोड़ रुपये किसके 'सेफ% से निकला है तथा जनता का पैसा लूटकर किसने टेम्पो में भेजा है। बहुजन विकास आघाडी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावडे ने पालघर जिले के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को पैसे बांटे हैं।

भाजपा ने हालांकि, आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ठाकुर का दावा प्रचार का हथकंडा मात्र है तथा महा विकास आघाडी (एमवीए) हार को भांपकर ये आरोप लगा रहा है। तावडे और बीवीए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच टकराव का

एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स% पर तावड़े से संबंधित वीडियो को लेकर पोस्ट किया, ''मोदी जी, यह 5 करोड़ किसके 'सेफ से निकला है? जनता का पैसा लूटकर आपको किसने टेम्पो में भेजा? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं वाले हालिया बयान की ओर इशारा करते हुए यह तंज कसा। कांग्रेस प्रवक्ता और सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया मंचों पर वायरल एक वीडियो का हवाला देते हुए यह भी कहा कि मतदान से एक दिन पहले प्रकाश में आए इस गंभीर विषय पर चुनाव आयोग मूकदर्शक बने नहीं रह सकता।

सुप्रिया ने कहा,''भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े खुलेआम पैसे बांटने एक होटल में पहुंचे थे। उनके पास से पांच करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं।

इसके साथ ही उनके पास एक डायरी मिली है, जिसमें 15 करोड़ रुपये का लेखा-जोखा है।%% उन्होंने सवाल किया,''ये पैसा चुनाव के महज कुछ घंटे पहले क्यों बांटा जा रहा है? नियम कहता है कि चुनाव प्रचार थम जाने के बाद कोई भी किसी दूसरे चुनावी इलाके में नहीं रह सकता, ऐसे में विनोद तावड़े विरार इलाके में क्या कर रहे थे?%% उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र के स्वाभिमान का अपमान हो रहा है।

सुप्रिया ने एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने महाराष्ट्र में विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े खर्च का सच राज्य की जनता से छिपाया है। उन्होंने दावा किया,''9 अक्टूबर, 2023 को कैग मुख्यालय दिल्ली ने आदेश दिया कि महाराष्ट्र में निष्पादन ऑडिट (पीए), राज्य विशिष्ट अनुपालन ऑडिट (एसएससीए) और विषयगत ऑडिट (टीए) रोक दिए जाए। इस आदेश में ये भी कहा गया कि ऑडिट करने वाले फील्ड ऑफिसर अन्य तरह के ऑडिट में लगा दिए जाए। उन्होंने कहा,''कैग पर केंद्र और राज्य सरकारों के सारे खर्चे और आमदनी को ऑडिट करने की जिम्मेदारी है। लेकिन इस संस्था ने महाराष्ट्र की जनता से सच छिपाया है।

विराट कोहली अपने खेलने के तरीके को लेकर जुनूनी हैं : रिकी पोंटिंग

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले, रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि कोहली एक महान क्रिकेटर हैं और खेल के प्रति बेहद भावुक हैं। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया में भी उन्हें बहुत सम्मान मिलता है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर कहा, कोहली एक स्टार हैं, एक सुपरस्टार हैं। वह काफी समय से खेल के सुपरस्टार रहे हैं। वह जिस तरह से खेलते हैं, उसके प्रति बहुत भावुक हैं। वह अपनी टीम के प्रति भी बहुत भावुक हैं। वह जीतना चाहते हैं और दिल से खेलते हैं। ऐसे ही सुपरस्टार खिलाड़ी दुनिया भर में उत्साह पैदा करते हैं। स्टीव स्मिथ जब इंग्लैंड जाते हैं तो उन्हें स्टेडियम में आते ही लोग सीटी बजाते हैं। ये सब अंतर्राष्ट्रीय खेलों का हिस्सा है। हालांकि, इस साल कोहली का टेस्ट मैचों में औसत सिर्फ 22.72 रहा है, जो उनके ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट औसत 54.08 और करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में कई शानदार शतक लगाने के बाद, उम्मीद है कि वह आगामी 5 मैचों की सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। पोंटिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी का दारोमदार संभालेंगे। उन्होंने कहा, मैंने देखा था कि रवि शास्त्री ने पिछली बार एक ऐसे इंसान के बारे में बात की थी जो ऑस्ट्रेलिया में सभी गेंदों का सामना करना चाहता था।

बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को ऑस्ट्रेलिया में रुकने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम इंडिया के साथ-साथ हेड कोच गौतम गंभीर की भी अग्निपरीक्षा होगी। 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज तक टीम इंडिया के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ऑस्ट्रेलिया में ही रुकेंगे। दरअसस, बीसीसीआई ने अगरकर को ऑस्ट्रेलिया में रोकने का फैसला किया है, जिसका कनेक्शन गौतम गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों से बताया जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर और गंभीर मिलकर काम करेंगे ताकि सुनिश्चित हो सके की सभी चीजें सही रहें और साथ ही दोनों एक राय कायम कर सकें। बता दें कि, हाल ही में टीम इंडिया ने घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से गंवाई थी। जिसमें सीनियर खिलाड़ियों ने काफी निराशाजनक प्रदर्शन किया। वहीं कहा जा रहा है कि, टीम के सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, अश्विन और रविंद्र जडेजा के भविष् को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। ये चारों ही खिलाड़ी 35 साल से ऊपर के हैं जहां विराट और रोहित टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं वहीं बोर्ड सीनियर्स से उनके भविष्य को लेकर चर्चा करेगा। बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया कि, अगरकर और गंभीर दोनों जानते हैं कि भारत में इस तरह के खराब प्रदर्शन से व्यापक आलोचना होगी, जो उचित है। ऑस्ट्रेलिया में एक लंबा दौरा है। ऐसे में दोनों एकसाथ बैठकर चर्चा कर सकते हैं कि, दौरे के बाद चीजों को कैसे आगे बढ़ाया जाए। ऐसे में प्रोसेस को लेकर दोनों को एक मत पर होना चाहिए। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज खत्म होने के ठीक बाद फोकस चैंपियंस ट्रॉफी पर हो जाएगा।

राफेल नडाल ने खेला अपना आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने 19 नवंबर को अपना आखिरी मुकाबला खेला। इस मुकाबले में उन्हें 80वीं रैंकिंग वाले बोटिक वान डी जैडस्चुल्प ने सीधे सेटों में 6-4,6-4 से हरा दिया।इसके बाद मैच देख रहे 10,000 दर्शकों और नडाल के परिवार ने उनका खड़े होकर अभिवादन किया। ये देख नडाल की आंखों में आंसू आ गए। डेविस कप के मुकाबले में जब राष्ट्रगान हुआ, तब भी नडाल भावुक हो गए थे।पूरी खबर पर नजर डालते हैं। इस महान टेनिस खिलाड़ी ने पिछले महीने संन्यास का ऐलान किया था। 38 साल के खिलाड़ी की गिनती दुनिया के महानतम टेनिस खिलाड़ियों में होती है।नडाल (22) से ज्यादा ग्रैंड स्लैम सिर्फ नोवाक जोकोविच (24) ही जीत पाए हैं। नडाल को %लाल बजरी का बादशाह%भी कहा जाता है।नडाल ने अपने आखिरी मुकाबले के बाद सबका आभार दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा, विश्व में मुझे इतना स्नेह प्राप्त हुआ। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं।

नडाल ने आगे कहा, मैं पूरी स्पेनिश टीम को शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप सभी ने मुझे डेविस कप खेलने का मौका दिया। मेरे करियर के कई भावनात्मक पल यहां मौजूद लोगों के साथ रहे हैं, हमने साथ मिलकर कई शानदार चीजें हासिल की हैं। कोई भी खिलाड़ी नहीं चाहता कि संन्यास ले, लेकिन शरीर की वजह से खेलना मुश्किल होता है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने भाई क्रुणाल पांड्या की अगुवाई में सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में बड़ौदा के लिए खेलते नज़र आएंगे, जो कि 23 नवंबर से शुरू हो रहा है। पिछले साल क्रुणाल की अगुवाई में ही बड़ौदा की टीम सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी टूर्नामेंट के फ़ाइनल तक पहुंची थी, जहां उन्हें मोहाली में पंजाब से हार का सामना करना पड़ा था।

हार्दिक ने पिछली बार बड़ौदा के लिए 2018-19 में मुंबई के ख़िलाफ़ एक रणजी ट्रॉफ़ी मैच खेला था, वहीं सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में वह आख़िरी बार जनवरी 2016 में खेले थे। तब हार्दिक का अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू नहीं हुआ था।

पिछले महीने ही हार्दिक को मुंबई इंडियंस द्वारा रिटेन किया गया था और वह टीम के कप्तान भी बने रहेंगे। वहीं क्रुणाल को लखनऊ सुपर जायंट्स ने रिलीज़ कर दिया था और वह आईपीएल नीलामी का हिस्सा होंगे।

बड़ौदा की टीम फ़िलहाल शानदार फ़ॉर्म में है और रणजी ट्रॉफ़ी के पहले चरण में 27 अंकों के साथ वे अपने ग्रुप में शीर्ष पर हैं।

लौटारो ने अर्जेंटीना के पांचवें शीर्ष स्कोरर के रूप में माराडोना की बराबरी की

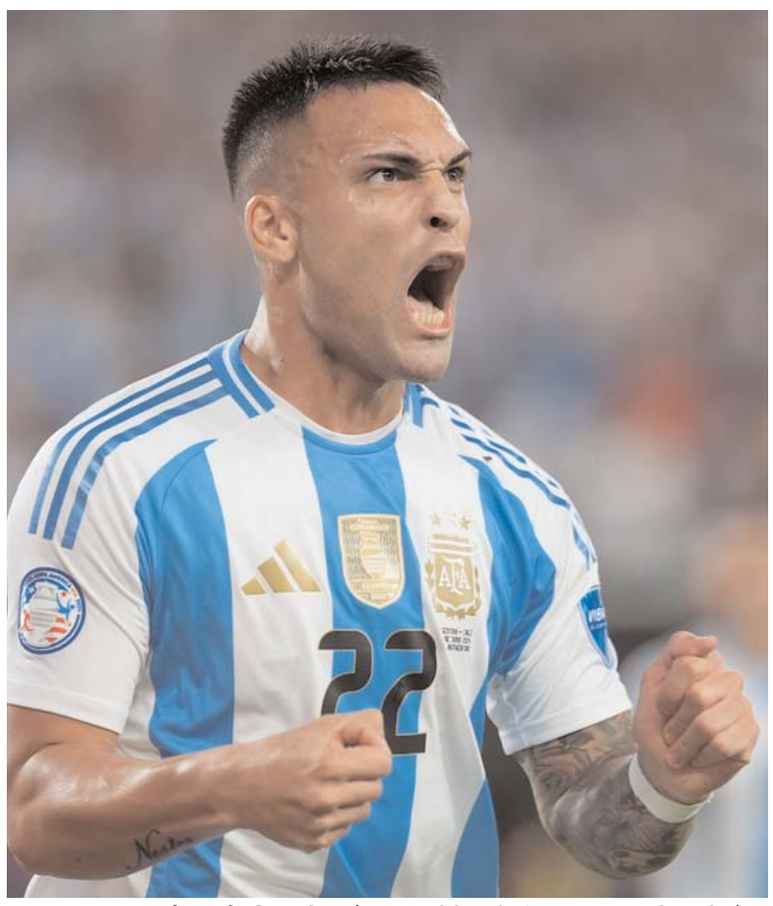

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। पेरू के खिलाफ अपने गोल की बदौलत अर्जेंटीना के इतिहास में लौटारो मार्टिनेज ने अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने डिएगो आर्मंडो माराडोना के राष्ट्रीय टीम के साथ 32 गोल की बराबरी कर ली है।

मार्टिनेज, जिनके नाम 31 गोल थे, अर्जेंटीना के इतिहास में शीर्ष स्कोरर की रैंकिंग में माराडोना (32) की बराबरी करने से एक गोल दूर थे। इस सूची में लियोनेल मेसी (112) सबसे आगे हैं।

मार्टिनेज के दूसरे हाफ में वॉली से किये गए गोल ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना के लिए शीर्ष स्थान को मजबूत किया, क्योंकि लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार (आईएसटी) को पेरू को 1-0 से हराया।

मार्टिनेज ने कहा,प्रदर्शन, गोल और खेले गए मैचों के मामले में यह एक शानदार साल रहा। हमें खेलते रहना है और दिन-ब-दिन सुधार करना है। हर कोई हमें हराना चाहता है। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम हमेशा नायक होती है।कुछ चीजें सुधारने की हैं, लेकिन हमें इसी राह पर चलते रहना है।

27 वर्षीय स्ट्राइकर ने बुधवार को 2024 का अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके साथ ही वह अर्जेंटीना के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 10 गोल करने वाले केवल तीसरे व्यक्ति बन गए, उनसे पहले गैब्रियल बतिस्तुता (1998 में 12) और मेसी (2012 में 12 और 2022 में 18) ने गोल किए थे।

इस जीत से अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जो उरुग्वे से पांच अंक आगे है। पेरू केवल सात अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है। अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर (डब्ल्यू12 डी6) में पेरू के खिलाफ अपने पिछले 18 मैचों में अपराजित है। यह टूर्नामेंट के इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ एल्बीसेलेस्टे के लिए सबसे अच्छी अपराजित लकीर है। अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर (डब्ल्यू9 डी1 एल1)में अपने पिछले 11 घरेलू मैचों में से 10 में एक भी गोल नहीं खाया है। नवंबर 2023 में उरुग्वे से हार अपवाद थी (0-2)।

अर्जेंटीना के सहायक कोच वाल्टर सैमुअल ने कहा, लड़के जीतना और प्रतिस्पर्धा जारी रखने के लिए बहुत भूखे हैं। कभी-कभी ऐसा होता है जैसा कि आज हुआ, और कभी-कभी ऐसा होता है जैसा कि बोलीविया (6-0 की जीत) के खिलाफ हुआ। हम पैराग्वे के खिलाफ़ फिसल गए, लेकिन यह टीम कभी नहीं छिपती।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25: पहले टेस्ट में खेलेंगे रविचंद्रन अश्विन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा।ऐसी उम्मीद है कि इस मैदान पर भारतीय टीम सिर्फ एक स्पिन विकल्प के साथ उतरेगी। इस बीच खबर है कि रविचंद्रन अश्विन को पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा। ऐसे में रविंद्र जडेजा पर्थ टेस्ट में बेंच पर नजर आ सकते हैं।आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी के रूप में 3 बाएं हाथ के बल्लेबाज मौजूद हैं।इस दिग्गज भारतीय स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन रहा है और इसको ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन उनको मौका देने के पक्ष में हैं।अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 19.68 की औसत से 268 विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नितीश कुमार रेड्डी अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले हैं। वह बतौर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर खेलते हुए नजर आएंगे।उन्होंने अब तक 23 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिसमें 21.05 की औसत के साथ 779 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाए हैं।दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 26.98 की औसत के साथ 56 विकेट अपने नाम किए हैं।ऐसी उम्मीद है कि भारतीय टीम 3 प्रमुख तेज गेंदबाजों के साथ पहले टेस्ट में उतरने वाली है।जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे।

शुभमन गिल खेलेंगे या नहीं पर्थ टेस्ट, कोच मोर्ने मोर्केल ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। उससे पहले ही भारतीय टीम के सामने कई मुसीबतें आ खड़ी हो गई हैं। कप्तान रोहित शर्मा पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे, तो शुबमन गिल को अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया। हाल ही में बताया गया कि गिल का फ्रैक्चर नहीं हुआ है और वो दूसरे मैच में खेलते हुए दिख सकते हैं। जबकि टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल के बयान ने उम्मीद जगा दी हैं कि गिल पर्थ टेट में भी खेल सकते हैं।

दरअसल, मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शुभमन गिल हर एक दिन बीतने के साथ बेहतर हो रहे हैं। हो सकता है कि वो पहला टेस्ट खेलें, उन्होंने कहा कि गिल हर एक दिन बेहतर हो रहे हैं, हम 22 नवंबर की सुबह उनके खेलने या ना खेलने पर फैसला लेंगे। वो अभ्यास मैच में अच्छा खेले, इसलिए अभी कुछ नहीं कह सकते। भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में शुभमन गिल बहुत अहम खिलाड़ी हैं। वो 2020-21 और फिर 2022-23 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी खेल चुके हैं। गिल का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि 2020-21 सीरजी में वो ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खेलने का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। उस दौरान सीरीज में गिल ने तीन मैचों की 6 पारियों में 259 रन बनाए थे। उन्होंने गाबा में खेले गए चौथे टेस्ट में 91 रन की पारी खेल टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नीतीश रेड्डी को मिल सकता है टेस्ट में डेब्यू का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से पर्थ से होगा। वहीं इस सीरीज से पहले टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां उन्होंने टीम इंडिया से जुड़े कई मुद्दों पर बात की और पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए।

इस दौरान कोच मोर्न मोर्कल ने पर्थ टेस्ट में 21 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी के डेब्यू के संकेत भी दिए। आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर नीतीश ने पिछले कुच समय में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मोर्न मोर्कल ने रेड्डी को लेकर कहा कि, वह युवा खिलाड़ियों में से एक है। ऑलराउंडर्स की काबिलियत है। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमारे लिए एक छोर संभाल सकते हैं, खासकर पहले कुछ दिनों तक। दुनिया की हर टीम एक ऐसा ऑलराउंडर को चाहती है जो तेज गेंदबाजों की मदद कर सके। ये बुमराह पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से इस सीरीज में उन पर नजर रखनी होगी।

नीतीश तेज गेंदबाजी करने के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और इसी वजह से चयन समिति ने चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शार्दुल ठाकुर पर उन्हें प्राथमिकता दी है। नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने करने का ये बेहतरीन मौका होगा। दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्रा के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली 18 सदस्यी भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने रीवा और शहडोल संभाग के कृषि विकास में किया मंथन

कृषि के विकास के लिए कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत विशेष प्रयास करें : सुलेमान

किसान को फसल उत्पादन, कृषि यंत्रीकरण तथा विपणन में सहयोग करें : सुलेमान

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त मोहम्मद सुलेमान ने रीवा तथा शहडोल संभाग में कृषि एवं इससे जुड़े विभागों की विकास की समीक्षा की। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि विन्ध्य का किसान बहुत मेहनती है। यहाँ बाणसागर बांध से सिंचाई सुविधा में तेजी से वृद्धि हुई है। किसान को खेती की आधुनिक तकनीक से फसल उत्पादन, कृषि यंत्रीकरण तथा फसलों के विपणन में सहयोग करें। कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी साप्ताहिक बैठक में कृषि विकास से जुड़ी सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें। आप सबके थोड़े से प्रयास से लाखों किसानों का जीवन बेहतर हो जाएगा।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सहकारी बैंक के चेयरमैन के रूप में कलेक्टर कृषि यंत्रीकरण, पशुपालन तथा उद्यानिकी फसलों के ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से मंजूर करें। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से व्यक्तिगत मछली पालक किसानों को सहायता देकर आधुनिक तरीके से मछली पालन कराएं। मछली पालन से बहुत कम लागत में अच्छा लाभ मिल सकता है। खेती के साथ पशुपालन तथा मछली पालन करके ही खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। श्री सुलेमान ने कहा कि प्रत्येक जिले में पर्याप्त संख्या में बीज उत्पादक समितियों तथा किसान संघों का गठन कराएं। इनके माध्यम से अच्छी गुणवत्ता के बीज तैयार कराकर किसानों को उपलब्ध कराएं। मुख्य फसलों के बीज के ब्राण्ड तैयार कराएं।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रदेश में खाद की कमी नहीं है। गत वर्ष जितनी मात्रा में खाद का उठाव हुआ था उतनी मात्रा अब तक रीवा संभाग को प्रदान की जा चुकी है। कलेक्टर खाद के वितरण की समुचित व्यवस्था करें। सहकारी समितियों को आवंटित खाद का 70 प्रतिशत प्रदान करके उसका वितरण कराएं। किसानों की भीड़ केवल विपणन संघ के डबल लाक के नकद खरीदी केन्द्र में होती है। खाद की उपलब्धता तथा वितरण के संबंध में नियमित रूप से किसानों को जानकारी दें। उप संचालक कृषि निजी विक्रेताओं के खाद के नमूने लेकर नियमित जाँच कराएं। अमानक पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करें। नरवाई प्रबंधन के संबंध में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि नरवाई जलाने पर एक ओर जुर्माना लगता है दूसरी ओर खेती की मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती है। यदि किसान ने नरवाई जलाई तो अगले साल एक हेक्टेयर में उसे एक बोरी यूरिया तथा आधा बोरी डीएपी अतिरिक्त रूप से फसल में देना होगा। नरवाई जलाना पर्यावरण की दृष्टि से भी बहुत हानिकारक है। सतना और रीवा जिले के सभी कस्टम हायरिंग सेंटरों में हैप्पी सीडर और सुपर सीडर की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसकी जानकारी किसान एप पर दर्ज कराएं जिससे किसान इनका सरलता से उपयोग कर सकें। सुपर सीडर और हैप्पी सीडर खरीदने के लिए भी किसानों को प्रेरित करें। हर जिले में पर्याप्त संख्या में दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कराएं। दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार के सभी लक्ष्य सेक्स सार्टेड सीमेन के माध्यम से पूरा कराएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने लक्ष्य पूरा न होने पर नाराजगी व्यक्त की। कृषि उत्पादन आयुक्त ने उद्यानिकी क्षेत्र को फसल अनुरूप चयन करने तथा किसान की रूचि के अनुसार उत्पादन करने के लिये प्रेरित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परिवहन सुविधा व बाजार की उपलब्धता को भी आधार मानकर उद्यानिकी फसल क्षेत्र का चयन करें।

23वें सद्गुरु महोत्सव का हुआ सफलतापूर्वक समापन

पुलिस अधीक्षक ने किया खिलाड़ियों को पुरुस्कृत

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। परमहंस संत रणछोडदास जी महाराज के पावन कर कमलों द्वारा चित्रकूट के जानकीकुंड में संचालित सेवा संस्थान श्री सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट एवं सद्गुरु शिक्षा समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राज्यीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 23वें सद्गुरु महोत्सव की समापन संध्या पर विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में सम्मिलित प्रतिभागी विजेता एवं उपविजेताओं को पुरुस्कृत किया गया। सद्गुरु महोत्सव अरविन्द भाई खेल परिसर में आयोजित किया गया था जिसमें चित्रकूट अंचल के मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र के 40 से अधिक विद्यालयों के 4500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने शिरकत की। चार दिवसीय क्रीड़ा उत्सव में कबड्डी, खो-खो, लम्बी कूद, ऊंची कूद, दौड़, रिले रेस जैसे ग्रामीण खेलों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति यों का आयोजन किया गया था, जिसमें ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकूट जनपद के पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह (आईपीएस) ने उपस्थित होकर विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, ऐसे विद्या संस्थानों के आयोजनों में जाने पर हमें भी अपने बाल्यकाल की सुखद स्मृतियां जीवन हो जाती हैं, बच्चों आप सभी असीम संभावनाओं से ओतप्रोत हैं और राष्ट्र का भविष्य हैं। अतः अनुशासन में रहकर विद्यार्जन और खेलकूद दोनो में सहभागिता करें और खिलाड़ी भावना से अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर राष्ट्र सेवार्थ तैयार होवें यह शुभकामना है। इसके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेरिका से पधारे डॉ.प्रकाश शाह, प्रमोदभाई हरियाणी जयपुर, ट्रस्टी डॉ इलेश जैन, अध्यक्ष शिक्षा समिति उषा जैन, मिलोनी बहन मुम्बई, उपाध्यक्ष अनुभा अग्रवाल, सचिव आर.बी सिंह चौहान सहित प्राचार्य शंकरदयाल पाण्डेय, राकेश तिवारी, फ़िरोज़ खान, सुरेन्द्र तिवारी, दीपक वानी, मंजुला वानी, डॉ.तुषारकान्त शास्त्री ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं के 400 से अधिक खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर भारतभर के विभिन्न प्रान्तों से पधारे गुरुभाई-बहन, सद्गुरु परिवार के सदस्य, विद्यार्थी, शिक्षक आदि उपास्थित रहे। अन्त में उषा जैन ने सभी को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपना योगदान प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोजगार मेला आज, सरकारी आईटीआई कॉलेज में आयोजन, 10वीं, 12वीं पास हो सकते हैं शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर में गुरुवार को रोजगार मेला लगेगा। जिला रोजगार कार्यालय सतना एवं शासकीय आईटीआई कॉलेज मैहर के सहयोग से यह आयोजन किया गया है।

सरला नगर रोड पर कृषि उपज मंडी प्रांगण के पास स्थित शासकीय आईटीआई कॉलेज में मेला सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

आवेदक मूल अंकसूची और उसकी फोटो कॉपी के साथ निवास प्रमाण-पत्र, वोटर आईडी या आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ शामिल हो सकते हैं।

ये कंपनियां करेंगी चयन: जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कंपनी प्रगतिशील बायोटेक सतना, एसएसआईएस सिक्योरिटी सर्विस सिंगरौली, अन्नपूर्णा फायनेंस लिमिटेड, इनफिनिटी कैरियर सोल्यूशन गुजरात, मेघना मोटर्स सतना एवं मैहर जिले के लिए तथा अन्य कंपनिया शामिल होंगी।

रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएशन, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग, बीटेक उत्तीर्ण 18 से 40 वर्ष तक की आयु के आवेदक शामिल हो सकते हैं।

जिला चिकित्सालय सतना ने रक्तदान शिविर 22 नवम्बर को

कमिश्नर ने की स्वेच्छा से रक्तदान की अपील

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रीवा संभाग के 4 प्रमुख जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 22 नवम्बर को जिला चिकित्सालय सतना में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी प्रकार रीवा जिले में 27 नवंबर तथा सिंगरौली जिले में 29 नवम्बर को जिला मुख्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि 15 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। संभाग में नवम्बर माह में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें।

कमिश्नर ने कहा है कि रक्तदान करने से हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। रक्तदान शिविर के लिये सामाजिक संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें। संभाग के सभी जिलों में नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। कई बार समय पर रक्त प्राप्त न होने से गंभीर रोगियों के प्राण संकट में पड़ जाते हैं। शरीर से जितना रक्त बाहर निकलता है उसका निर्माण कुछ ही दिनों में पुनः हो जाता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति 90 दिनों के अंतराल से नियमित अंतराल कर सकता है।

गढ़चपा गोलीकांड को लेकर ब्राह्मण समाज का प्रदर्शन

आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के मानिकपुर थाना क्षेत्र के गढ़चपा ग्राम पंचायत में हुए गोलीकांड का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के विरोध में आज ब्राह्मण समाज एकता परिषद के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा एकता परिषद ने स्पष्ट किया है कि अगर 24 घंटे के अंदर इस प्रकरण के मुख्य आरोपी और हिस्ट्रीशीटर मंटू सिंह की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो चित्रकूट से लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। परिषद के सदस्यों ने पुलिस पर लापरवाही और पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि पीड़ित रामगोपाल द्विवेदी का परिवार लगातार डरा-सहमा हुआ है। लेकिन अब तक पुलिस प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

पुलिस पर अभद्रता का आरोप: परिषद के जिलाध्यक्ष शिव शंकर त्रिपाठी ने बताया कि मंगलवार को जब वह कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दे रहे थे, तब कुछ पुलिस अधिकारियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

परिषद ने मंटू सिंह को दबंग और अपराधी किस्म का व्यक्ति बताया है। जो शासन और प्रशासन की ताकत का दुरुपयोग कर रहा है। परिषद ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी करें। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए। ब्राह्मण समाज का कहना है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। इस पूरे प्रकरण ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

28 तक मतदाता सूची में जोडे जायेंगे मतदाताओं के नाम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 का कार्य संपादित किया गया है। आयोग द्वारा सतना एवं मैहर जिले के अंतर्गत पुनरीक्षण के दौरान 18-19 आयु वर्ग के लगभग 28528 युवाओं के नाम निर्वाचक नामावली में जोडे जाने की कार्यवाही जायेगी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को जिनकी आयु 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की पूर्ण हो चुकी है या हो रही है।

हरियाणा में मिलीं अमदरा से लापता 4 लड़कियां, घर से चना भाजी तोड़ने निकली थीं, मोबाइल से मिली लोकेशन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले के अमदरा थाना क्षेत्र से लापता हुईं 4 लड़कियां हरियाणा के फरीदाबाद जा पहुंचीं। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने फरीदाबाद पहुंच कर उन्हें अपनी निगरानी में ले लिया है। चारों लड़कियों के आज (बुधवार) शाम तक अमदरा पहुंचने की संभावना है।

अमदरा थाना क्षेत्र के गांव पथरहटा से 18 नवंबर को एक युवती और तीन नाबालिगों समेत 4 लड़कियां लापता हो गई थीं। युवती के साथ सभी लड़कियां घर से निकल कर दोपहर के वक्त चना की भाजी तोड़ने खेत गईं थी लेकिन लौट कर वापस घर नहीं पहुंचीं। परिजन उनकी तलाश हर संभावित जगह पर करते रहे लेकिन कहीं कोई सुराग न लगने पर रात में थाना पहुंच कर उन्होंने शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस जांच कर ही रही थी कि 19 वर्षीय लापता युवती ने अपने घर पर फोन कर अपने खो जाने की जानकारी दी। परिजन पुलिस के पास पहुंचे तो पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। पुलिस को पता चला कि युवती ने जिस लोकेशन से फोन किया था वह हरियाणा के फरीदाबाद जिले के सेक्टर नंबर 39 की नेवला रेलवे क्रॉसिंग की है।

अमदरा टीआई संजय दुबे ने बताया कि लोकेशन पता लगते ही फरीदाबाद पुलिस से संपर्क कर मामले की जानकारी दी गई और सहयोग मांगा गया। फरीदाबाद पुलिस ने नेवला रेलवे फाटक के पास पहुंच कर युवती समेत चारों लड़कियों को सुरक्षित अपनी निगरानी में ले लिया। फरीदाबाद पुलिस ने उन्हें वन स्टॉप सेंटर भेज कर अमदरा पुलिस को इससे अवगत कराया।

अमदरा टीआई ने झुकेही पुलिस चौकी इंचार्ज राकेश मिश्रा को फरीदाबाद भेज दिया है। संभावना जताई जा रही है कि लड़कियां बुधवार की शाम या रात तक अमदरा पहुंच सकती हैं। उनके वापस आने के बाद ही यह पता चल सकेगा कि चना की भाजी तोड़ने के लिए निकली लड़कियां फरीदाबाद तक क्यों और कैसे पहुंचीं।

खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024-25 के आयोजन के लिए ब्लाक समन्वयक को सौपे गये दायित्व

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खेलो एमपी यूथ गेम्स वर्ष 2024-25 के लिए खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन ब्लाक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाना है। खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत ब्लाक स्तर पर चयन स्पर्धा, जिला एवं संभाग स्तर पर 19 खेलों में एथलेटिक्स, बास्केट बॉल, बैडमिंटन, बाक्सिंग, फुटबाल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खोखो, मलखंब, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस, योगासन, व्हालीबाल, टेनिस, शतरंज एवं क्रिकेट तथा 6 खेल ताईक्वांडो, फेंसिंग, रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, शूटिंग एवं अर्चरी सीधे राज्य स्तर पर सहभागिता करेंगे। खेलो एमपी यूथ गेम्स में उम्र 19 वर्ष से कम (1 दिसंबर 2024 की स्थिति में) आयु समूह के बालक एवं बालिका खिलाडी प्रतिभागिता कर सकेंगे। खिलाडियों को पंजीयन फार्म पासपोर्ट फोटो, जन्म प्रमाण, मध्यप्रदेश के मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ भरना अनिवार्य होगा। एक खिलाडी एक खेल में तथा जिस खेल में भाग लेगा उसकी अधिकतम 3 विधा में ही भाग ले सकेंगे।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने खेलो एमपी यूथ गेम्स आयोजन के लिए जिले के समस्त ब्लाक में ब्लाक स्तरीय चयन स्पर्धा का दायित्व संबंधित ब्लाक समन्वयकों को सौपा गया है। विकासखण्ड सोहावल के लिए समन्वयक राजेश कुमार पाण्डेय 9827281082, रामपुर बघेलान समन्वयक ज्योति 8109323197, मझगवां समन्वयक प्रमोद मरावी 9301145390, उचेहरा समन्वयक शिवेन्द्र सिंह 7581856566, मैहर समन्वयक अजय कुमार पटेल 9981163480, नागौद समन्वयक प्रियंका बागरी 9691201093, रामनगर समन्वयक कंचन तिवारी 9285338240 तथा अमरपाटन समन्वयक पूनम पटेल 9584901197 के नाम शामिल हैं।

एनएसयूआई ने धरना देकर लगाए नारे

क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मांग रहे थे बीटीआई मैदान, मना करने पर किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना में एनएसयूआई कार्यकर्ताओ ने बुधवार को जमकर हंगामा किया। उन्होंने बीटीआई स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया और धरने पर बैठ कर नारेबाजी करने लगे। एनएसयूआई के लोग उन्हें बीटीआई मैदान का आवंटन न मिलने पर नाराज थे। हालांकि बाद में एसडीएम सिटी ने मामला शांत कराया। जानकारी के मुताबिक, एनएसयूआई कार्यकर्ताओ ने बुधवार को रीवा रोड पर कोलगवां थाना के पास स्थित बीटीआई स्कूल के सामने प्रदर्शन किया। नाराज कार्यकर्ताओ ने बीटीआई के गेट पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी उन्हें क्रिकेट टूर्नामेंट कराने के लिए बीटीआई मैदान न दिए जाने को लेकर नाराज थे।

सूचना मिलने पर कोलगवां टीआई सुदीप सोनी और सिविल लाइन टीआई योगेंद्र सिंह ने वहां पहुंच कर उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए। कुछ देर बाद एसडीएम रघुराजनगर सिटी राहुल सिलाड़िया बीटीआई पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शनकरियो से चर्चा की। एसडीएम ने उन्हें बताया कि जिसका आवेदन पहले आया था उसे नियमानुसार मैदान के उपयोग की अनुमति दे दी गई है। क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अन्य मैदान भी हैं। काफी देर तक चली वार्ता के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ता माने और धरना खत्म हुआ।

ये है पूरा मामला: बताया जाता है कि एनएसयूआई कार्यकर्ता बीटीआई मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट कराना चाहते थे लिहाजा मैदान के उपयोग की अनुमति एसडीएम से मांगी थी। उसी अवधि के लिए मैदान की मांग प्रदर्शनी लगाने के लिए भी की गई थी। मैदान प्रदर्शनी के लिए दे दिया गया तो एनएसयूआई कार्यकर्ता भड़क उठे।

एसडीएम राहुल सिलाड़िया ने बताया कि प्रदर्शनी के लिये अनुमति की मांग का आवेदन पहले आया था लिहाजा पहले आओ पहले पाओ के नियम पर उसे अनुमति दे दी गई। एनएसयूआई वालो को समझाइश दी गई है कि वे किसी अन्य ग्राउंड में टूर्नामेंट करा लें ,उन्हें वांछित सहयोग दिया जाएगा।

भरत मिलाप का आयोजन

अयोध्या से भगवान राम को मनाने पहुंचे संत, भक्तों ने किया भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। अयोध्या की रामलीला समाप्त होने के बाद भरत को राम से मिलाने के लिए निकली पावन यात्रा बुधवार को चित्रकूट पहुंची। नेत्र गोपाल दास महाराज के नेतृत्व में यह यात्रा अयोध्या से प्रारंभ होकर कामद गिरि परिक्रमा मार्ग स्थित भरत मिलाप मंदिर तक पहुंची। यात्रा का मार्ग में जगह-जगह भव्य स्वागत और सत्कार किया गया।

इस पवित्र अवसर पर राम और भरत के मिलन का भावुक दृश्य उपस्थित जन समूह को देखने को मिला। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए चित्रकूट के संत-महंत, श्रद्धालु, और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इसमें कमलनयन दास, विमल दास, राम मनोहर दास, और नेपाल से आए त्रिदंडी जगतगुरु महायोगी सिद्ध बाबा प्रमुख रूप से शामिल हुए।

नेत्र गोपाल दास महाराज ने जानकारी दी कि यह पवित्र परंपरा पिछले 50 वर्षों से अनवरत चल रही है। अयोध्या में रामलीला समाप्त होते ही यह यात्रा आरंभ होती है, जिसमें संत और भक्त भगवान श्रीराम को मनाने के लिए चित्रकूट आते हैं।

चित्रकूट की मान्यता के अनुसार- वनवास काल के दौरान मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम चित्रकूट में ठहरे थे। इसी दौरान भरत, अयोध्या से चलकर अपने बड़े भाई राम को मनाने यहां आए थे। भरत मिलाप मंदिर आज भी उस ऐतिहासिक क्षण का प्रतीक है, जहां उनके चरण चिन्ह अंकित हैं। श्रद्धालुओं के बीच इस मिलन का दृश्य अत्यंत भावुक और आस्था से परिपूर्ण रहा। भक्तों ने जय श्री राम के जयकारों से चित्रकूट की वादियों को गुंजायमान कर दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।